# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 13- गुरूवार 13- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025


# दिल्ली ब्लास्ट : नूंह का मौलवी इश्तियाक फरीदाबाद से गिरफ्तार

## दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी लेडी टेररिस्ट,पीएम मोदी अस्पताल में घायलों से मिले

**फरीदाबाद,12 नवम्बर 2025।** दिल्ली में ब्लास्ट और फरीदाबाद में मिले 2900 किलो विस्फोटक के तार आपस में जुड़ रहे हैं। दोनों में एक ही बात कॉमन है,वह है फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी। इस यूनिवर्सिटी के डॉक्टर मुजम्मिल को विस्फोटक जमा करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। जबकि,यहां पढ़ाने वाले मोहम्मद उमर नबी ने आई-20 कार में विस्फोटक के साथ खुद को उड़ा लिया। अब जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मौलवी इश्तियाक को गिरफ्तार किया है। उसे पूछताछ के लिए श्रीनगर ले जाया गया है। मौलवी इश्तियाक वही व्यक्ति है, जिसने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. मुजम्मिल शकील को अपना फतेहपुर तगा गांव वाला मकान किराए पर दिया था। 9 नवंबर को इसी घर से पुलिस ने 2563 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद कर डॉ. मुजम्मिल को गिरफ्तार किया था। इश्तियाक मूल रूप से नूंह जिले के सिंगार गांव का रहने वाला है। 10 साल से वह परिवार के साथ फतेहपुर तगा गांव में रह रहा है और यहीं मस्जिद में इमाम है। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी से पहले वह 15 दिन की छुट्टी लेकर जम्मू-कश्मीर के पुलवामा गया था। वहां उसने अपने संपर्कों से मुलाकात की और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एकत्रित की। वहां से आने के बाद वह फतेहपुर तगा में इश्तियाक के घर रुका था। दिल्ली धमाका करने वाले आतंकियों का ग्रुप फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से संचालित हो रहा था। सूत्रों के मुताबिक धमाकों की साजिश जनवरी से की जा रही थी। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद ने बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी। शाहीन और उसके साथियों को मिलाकर एक व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल बनाया गया था। यानी इसमें पेशेवर लोगों को शामिल किया गया था। इसमें शामिल आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे।

### प्रधानमंत्री घायलों को देखने अस्पताल पहुंचे...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार दोपहर भूटान से लौटे। वे एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने दिल्ली ब्लास्ट के घायलों के इलाज का जायजा लिया और डॉक्टरों से भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि साजिश को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

### देशभर में रेलवे स्टेशन,मॉल में धमाकों की साजिश थी...

दिल्ली ब्लास्ट को अंजाम देने वाले आतंकियों ने देशभर में 200 बम से 26/11 जैसे हमले करने की साजिश रची थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली के लाल किला, इंडिया गेट, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और गौरी शंकर मंदिर जैसी जगह धमाके किए जाने थे। आतंकियों के टारगेट पर गुरुग्राम और फरीदाबाद के साथ देशभर के रेलवे स्टेशनों और बड़े मॉल्स भी थे।

### जैश सरगना मसूद अजहर की बहन के संपर्क में थी डॉ. शाहीन

जैश के वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की सबसे अहम कड़ी डॉ. शाहीन सईद को माना जा रहा है। वह जैश सरगना मौलाना मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर के सीधे संपर्क में थी और आतंकी संगठन की महिला विंग जमात उल मोमिनात से जुड़ी थी। इस विंग को सादिया ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए अक्टूबर 2025 में बनाया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस डॉ. शाहीन को फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार करके श्रीनगर ले गई। वहीं उसकी कानूनन गिरफ्तारी हुई।

### शाहीन के साथ आता था मुजम्मिल गर्लफ्रेंड को भी लाता था...

अल फलाह यूनिवर्सिटी से लगभग 300 मीटर दूर धौज गांव में जिस घर में डॉ. मुजम्मिल रहता था, वहां के एक युवक ने बताया कि मुजम्मिल को अक्सर अपनी गर्लफ्रेंड डॉ. शाहीन सईद के साथ देखा जाता था। वे दोनों हाथ पकड़कर अपने कमरे की ओर जाते थे। मुजम्मिल कभी अपनी गर्लफ्रेंड को बाइक पर लाता था, तो कभी कार में। लगभग एक महीने पहले आखिरी बार दोनों को कमरे पर आते हुए देखा गया था। आरोपी डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल डेटा से पता चला है कि, मुजम्मिल ने इस साल जनवरी में लाल किला इलाके की रेकी की थी। एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि ये रेकी 26 जनवरी को लाल किले को निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी।

## मुंबई में तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई,11.88 किग्रा सोना जब्त,मास्टरमाइंड सहित 11 गिरफ्तार

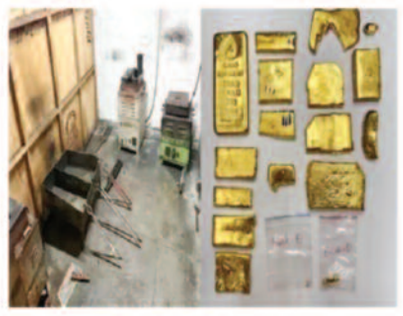

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने ऑपरेशन बुलियन ब्लेज के तहत सोना तस्करी के बड़े सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन के तहत डीआरआई ने मुंबई में सोना तस्करी और उसे गलाने के बड़े सिंडिकेट को नाकाम करते हुए 11.88 किलोग्राम सोना जब्त कर गिरोह के मास्टरमाइंड सहित 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इस अभियान में एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश हुआ है, जो भारत में सोने की तस्करी,उसे गुप्त भट्टियों में पिघलाने और परिष्कृत सोने को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में बेचने में शामिल था। डीआरआई ने अभियान में 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13.17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत जब्त की है। मंत्रालय के मुताबिक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 10 नवंबर को डीआरआई अधिकारियों ने मुंबई में 4 गुप्त स्थानों पर स्थित परिसरों, दो अवैध पिघलने वाली इकाइयों और दो अपंजीकृत दुकानों पर एक साथ तलाशी ली। डीआरआई अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की, संचालकों को हिरासत में लिया और मौके पर 6.35 किलोग्राम सोना बरामद किया। तस्करी का सोना प्राप्त करने और पिघली हुई छड़ों को स्थानीय खरीदारों को बेचने के लिए मास्टरमाइंड द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली दो दुकानों पर की गई तलाशी में एक दुकान से 5.53 किलोग्राम अतिरिक्त सोने की छड़ें बरामद हुईं। डीआरआई के अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 11 लोगों में मास्टरमाइंड शामिल है, जो पूर्व में तस्करी के मामलों में शामिल एक ज्ञात अपराधी है, जिसमें उसके पिता, एक प्रबंधक, चार भाड़े के तस्कर, एक एकाउंटेंट और तीन डिलिवरी मैन शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## खुदरा महंगाई दर अक्टूबर महीने में घट कर 0.25 फीसदी पर

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर कई साल के निचले स्तर 0.25 फीसदी पर आ गई है। ये वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला का सबसे निचला स्तर है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों में बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती और सब्जियों एवं फलों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर (मुद्रा स्फीति) में यह गिरावट आई है। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर 0.25 फीसदी पर आ गई है। सितंबर माह में यह 1.44 फीसदी और अक्टूबर, 2024 में 6.21 फीसदी थी। इस तरह सितंबर, 2025 की तुलना में अक्टूबर, 2025 की मुख्य मुद्रा स्फीति में 119 आधार अंकों की कमी आई है।

## लातेहार में पांच लाख रुपये के इनामी सहित दो उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

**लातेहार,12 नवम्बर 2025।** झारखंड के लातेहार में उग्रवादी संगठन जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो उग्रवादियों ने बुधवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में ब्रजेश यादव और अवधेश लोहरा शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में दोनों उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। ब्रजेश यादव गुमला जिले का रहने वाला है। इस पर पांच लाख रूपये का इनाम भी घोषित था, जबकि अवधेश लातेहार के हेरहंज का रहने वाला है। पलामू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा और लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने दोनों उग्रवादियों को माला पहनाकर समाज के मुख्य धारा में स्वागत किया। आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंड सरकार की नई दिशा नीति का लाभ उठाकर नक्सली अपना जीवन सुधार सकते हैं। वर्ष 2025 में अब तक लातेहार जिले में 21 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, यह किसी भी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय अन्य उग्रवादियों-नक्सलवादियों को भी आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि लातेहार जिले में नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब जिले में केवल चार से पांच नक्सली ही बचे हैं। बाकी नक्सलियों के पास मार्च 2026 तक का समय है।

## 94 साल की उम्र में जीते 4 गोल्ड मेडल उपलब्धियों ने सुर्खियों में ला दिया...

**बीकानेर,12 नवम्बर 2025।** बीकानेर की 94 वर्षीय एथलीट पानी देवी गोदारा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प की कोई सीमा नहीं होती। चेन्नई में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में एथलीट पाना देवी गोदारा ने अलग-अलग स्पर्धाओं में चार स्वर्ण पदक जीतकर सिर्फ बीकानेर नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान को गौरवान्वित किया है। 94 वर्षीय एथलीट पानी देवी गोदारा को 'गोल्डन ग्रैंडमा' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने अपनी शानदार फिटनेस और खेल की क्षमताओं को साबित करते हुए चेन्नई में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में 100 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो, शॉटपुट और भाला फेंक में शीर्ष स्थान पाया। इसके साथ ही उन्होंने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इससे पहले, मार्च महीने में पानी देवी गोदारा ने बेंगलुरु में आयोजित 45वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉट पुट, 100 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीते थे। पानी देवी की इन उपलब्धियों ने उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

## पीयूष गोयल और सऊदी निवेश मंत्री ने आर्थिक,व्यापार संबंध मजबूत करने पर की चर्चा

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापार संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा हुई। सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल-फलीह और उनके प्रतिनिधिमंडल से मिलकर गोयल ने दोनों देशों के संबंधों को लेकर कहा कि हमारी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा समृद्धि पर आधारित होने के साथ लगातार मजबूत बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने भारत-सऊदी अरब के आर्थिक संबंधों को पहले से अधिक मजबूत बनाने, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप्स सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों को लेकर चर्चा की।

# पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** देश में आतंकी खतरे की आशंका एक बार फिर गहरा गई है। राजधानी दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद अब इंडिगो एयरलाइंस को ईमेल के जरिए पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे एयरलाइन के आधिकारिक मेल पर आया यह धमकी भरा संदेश सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का बड़ा कारण बन गया। ईमेल में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, त्रिवेंद्रम और हैदराबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की बात लिखी गई थी। धमकी मिलते ही एयरलाइंस के अधिकारियों ने तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो को सूचना दी। जैसे ही ईमेल की जानकारी मिली,सभी पांचों एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर दिया। दिल्ली,मुंबई,चेन्नई,त्रिवेंद्रम और हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है। यात्रियों की स्क्रीनिंग दोगुनी कर दी गई, लगेज की जांच के दौरान बम डिटेक्टर और एक्स-रे स्कैनर की सहायता ली जा रही है। एयरपोर्ट परिसर में डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते को तैनात कर दिया गया है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और सीआईएसएफ की संयुक्त टीमों ने एयरपोर्ट के टर्मिनलों, रनवे और पार्किंग क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की जांच साइबर सेल और खुफिया एजेंसियों के माध्यम से की जा रही है। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमकी भरा मेल किसने और कहां से भेजा है। प्रारंभिक जांच में यह भी संभावना जताई जा रही है कि यह मेल किसी 'फेक अलार्म' या 'मिसचीफ एक्ट' का हिस्सा हो सकता है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनज़र हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। इसी बीच बुधवार को मुंबई से वाराणसी आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बम धमकी की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। उड़ान के बीच में ही एयरलाइन को संभावित बम की सूचना मिली,जिसके बाद तुरंत प्रोटोकॉल के तहत आपातकालीन कार्रवाई शुरू की गई। विमान को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित आपात लैंडिंग कराई गई। विमान के उतरते ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसे आइसोलेशन बे में खड़ा कर दिया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बम निरोधक दस्ते ने विमान की पूरी तलाशी ली,लेकिन अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। यात्रियों को एयरपोर्ट के टर्मिनल में सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उनकी पहचान और सामान की जांच की गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा,'वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान को सुरक्षा संबंधी धमकी मिली। हमने तुरंत सरकार द्वारा नियुक्त बम खतरा आकलन समिति को सूचित किया और सभी आवश्यक सुरक्षा कदम उठाए। विमान सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सभी जांच पूरी होने के बाद विमान को फिर से संचालन के लिए अनुमति दी जाएगी। '

इस घटना के बाद वाराणसी एयरपोर्ट को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ,और एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित आतंकी गतिविधि को लेकर सतर्क हैं और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित किया गया है। दिल्ली में हाल ही में हुए बम धमाके के बाद देश के तमाम हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को पहले ही अलर्ट मोड पर रखा गया था। अब लगातार मिल रही धमकियों ने सुरक्षा तंत्र को और सख्त कर दिया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और त्रिवेंद्रम जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्रियों के प्रवेश द्वार से लेकर एयरसाइड एरिया तक निगरानी बढ़ा दी गई है।

## गुजरात में भरूच की केमिकल कंपनी में बॉयलर फटा,3 की मौत,24 घायल

**भरूच,12 नवम्बर 2025।** गुजरात में भरूच जिले के इंडस्ट्रियल एरिया जीआईडीसी में एक कंपनी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 24 कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट करवाया गया है। इनमें 4-5 कर्मचारियों की हालत गंभीर है। सायखा गांव के पास जीआईडीसी की विशाल फार्मा नाम की कंपनी में रात करीब ढाई बजे बॉयलर फट गया, जिससे प्लांट में आग लग गई। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास की 4 कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा। हादसे में तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

**मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका :** घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 टीमें मौके पर पहुंचीं । घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्य अभी भी जारी है और मलबे को हटाने के साथ-साथ मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान भी जारी है।

**बगैर अनुमति के चल रही है कंपनी :** सरपंच सायखा गांव के सरपंच जयवीर सिंह ने हादसे को लेकर प्रशासन और कंपनी के मालिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयवीर का कहना है कि यह कंपनी बिना किसी अनुमति के चल रही है। फिर भी प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

# सेना प्रमुख द्विवेदी ने समकालीन युद्धक्षेत्रों में प्रौद्योगिकी की उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** दिल्ली डिफेंस डायलॉग में बुधवार को दूसरे दिन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आधुनिक युद्ध के लिए एआई, रोबोटिक्स और साइबर उपकरणों के उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 'सिक्योर आर्मी मोबाइल' का इस्तेमाल किया गया था। अब हम दूसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, जो कहीं अधिक उन्नत संस्करण होगा। मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) में दिल्ली रक्षा वार्ता को संबोधित करते हुए सीओएएस जनरल द्विवेदी ने समकालीन युद्धक्षेत्रों पर प्रौद्योगिकी की उभरती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को इसका जीवंत उदाहरण बताया। सीओएएस ने कहा कि जहां तक भविष्य के युद्धक्षेत्र का संबंध है, तो यह धक्का-मुक्की और प्रतिस्पर्धा का युग है। लंबी दूरी के युद्ध कम हो रहे हैं और व्यापक संघर्ष बढ़ रहे हैं। इसका मतलब है कि तकनीक का प्रभाव कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि 50 से अधिक चल रहे संघर्षों और 100 से अधिक देशों में हम यूक्रेनी युद्धक्षेत्र पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सेना प्रमुख ने युद्ध के ग्रे जोन में एआई, रोबोटिक्स और साइबर उपकरणों के उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मैं तीन डी बताऊंगा, जो आज युद्ध परिदृश्य को बदल रहे हैं। भारत के संदर्भ में उन्होंने कहा कि ढाई मोर्चों की चुनौतियों के कारण हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जो भी तकनीक आ रही है, वह युद्ध की पांच पीढ़ियों के भीतर खाई से लेकर हाइब्रिड और पांचवीं पीढ़ी के युद्ध तक खुद को समायोजित कर ले। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना मानव केंद्रित तकनीक पर विचार कर रही है और पीढ़ी-7 की तकनीक पर भी विचार कर रही है, जिसमें उस पीढ़ी के मोबाइल और कंप्यूटर, वीडियो गेम कंसोल और माइक्रोचिप्स के लिए 7 नैनोमिलियन तकनीक शामिल हैं। 'रक्षा क्षमता विकास के लिए नए युग की तकनीक का उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के आखिरी दिन जनरल द्विवेदी ने कहा कि युद्ध और युद्ध में जीत मूल रूप से रणनीति पर निर्भर करती है। यदि आप अतीत को देखें, तो रणनीति काफी हद तक भूगोल से ली गई थी, लेकिन धीरे-धीरे तकनीक का तत्व भूगोल पर हावी हो रहा है और उसे पीछे छोड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में ओपन सोर्स विश्लेषण और पूर्वानुमान विश्लेषण ने हमारी मदद की, जिससे हम बहुत सशक्त हुए और कई सबक सीखे हैं।

# राहुल गांधी का 'वोट चोरी' ड्रामा, राजनीतिक इमेज और कांग्रेस में लीडरशिप बचाने की कोशिश

**पटना,12 नवम्बर 2025।** बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर वोट चोरी का मुद्दा उठाकर राष्ट्रीय राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल चुनाव आयोग या ईवीएम पर आरोप मानकर नहीं देखते। उनका मानना है कि यह कदम राहुल गांधी की पार्टी में पकड़ मजबूत करने और नेतृत्व (लीडरशिप) बचाने की रणनीति है। राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र अग्निहोत्री मानते हैं कि राहुल गांधी लगातार हार के लिए बाहरी कारणों को दोषी ठहराकर यह संदेश देना चाहते हैं कि कांग्रेस की हार उनकी व्यक्तिगत कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि बाहरी ताकतों और परिस्थितियों के चलते हुई।

**राहुल गांधी की हार का इतिहास और बहाने :** राहुल गांधी ने साल 2014 में लोकसभा चुनाव में हार के लिए पार्टी की कमजोरी को जिम्मेदार बताया था। 2019 में मोदी सरकार, ईडी, सीबीआई और आयकर को दोषी ठहराया। 2024 में ईवीएम को दोषी ठहराया। अब बिहार चुनाव में वोटिंग मशीन और चुनाव आयोग पर निशाना साध रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार डा. आशीष वशिष्ठ कहते हैं कि यह रणनीति कांग्रेस में नेतृत्व पर उठने वाले सवालों से बचाव का हिस्सा है।

**बिहार हारने पर नेतृत्व पर उठेंगे सवाल :** लोकसभा में 240 सीटों की मोदी लहर के बावजूद कांग्रेस की उम्मीदें महाराष्ट्र और हरियाणा की हार से ध्वस्त हुई थीं। अगर बिहार भी हार गए तो राहुल गांधी के नेतृत्व पर फिर से सवाल उठेंगे। इसलिए उनका कहना जरूरी है कि वे हारते नहीं, उन्हें हराया जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि राहुल गांधी की यह चाल कांग्रेस के अंदर संदेश है कि जो नेता चुनाव नहीं जीत सके, उनके खिलाफ पार्टी भीतर ही भीतर विकल्प तलाशती है।

## संपादकीय

# दोषियों को सजा मिले

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके को लेकर कई जानकारियां सामने आ रही हैं। हालांकि अभी तक सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि यह आतंकी वारदात है, लेकिन संकेत ऐसे ही हैं। क्या यह देश को अस्थिर करने की कोई साजिश है? अगर यह साजिश है, तो एनआईए को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई गुनहगार न बचे। एजेंसी को मंगलवार को इस वारदात की जांच सौंपी गई। जानकारियों के मुताबिक,इस घटना का लिंक कथित तौर पर पुलवामा से जुड़ रहा है। गौर करने वाली बात है कि धमाके से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया था, जिसकी शुरुआत जम्मू-कश्मीर से हुई थी और फिर हरियाणा और यूपी तक तार जुड़ते चले गए। अभी यही माना जा रहा है कि दिल्ली धमाकों का मुख्य संदिग्ध पुलवामा निवासी उमर मोहम्मद है। वह उसी कार को ड्राइव कर रहा था, जिसमें धमाका हुआ।

सरकार इस मामले में बेहद सावधानी से आगे बढ़ रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशीलता को देखते हुए यह जरूरी भी है। सामान्य धारणा है कि आतंकी समूह अब पढ़े-लिखे और समाज से कटे युवाओं को निशाना बनाते हैं,क्योंकि उन्हें बरगलाना आसान होता है। लेकिन, टेरर मॉड्यूल में डॉक्टरों की गिरफ्तारी इधर एक खतरनाक ट्रेंड है।

**इंटेलिजेंस की नाकामी**...अभी दिल्ली ब्लास्ट और पहले की हुई गिरफ्तारियों में कोई सीधा संबंध मिलना बाकी है,लेकिन इससे इंटेलिजेंस पर सवाल तो खड़े हो ही रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोग राजधानी के पास रहकर साजिश रचते रहे, 2900 किलो विस्फोटक जमा कर लिया और भनक तक नहीं लगी! अगर इस खुलासे में और देर हो जाती, तो क्या पता देश एक बड़ी त्रासदी से गुजर रहा होता। दिल्ली में आखिरी बड़ा आतंकी हमला सितंबर 2011 में हुआ था, जब हाई कोर्ट के बाहर हुए बम विस्फोट में 11 मौतें हुई थीं और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। इसके बाद छिटपुट घटनाएं हुईं, पर जान का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में भी आतंकी गतिविधियों में कमी आई है। ग्लोबल टेरोरिज्म इंडेक्स भी बताता है कि भारत में हालात बेहतर हुए हैं, जबकि आतंकी गतिविधियों में पड़ोसी पाकिस्तान दुनिया में दूसरे नंबर पर है। लेकिन, यह शांति तभी बनी रह सकती है, जब एजेंसियां लगातार अलर्ट मोड में रहें। आतंकवाद को फिर से पनपने का मौका नहीं देना चाहिए। साथ ही, खुफिया तंत्र को भी इस तरह से काम करना चाहिए कि ऐसे अपराध न हो सकें।

# कंगन-वियोग

-डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त-

अरे साहब,पूछिए मत,यह घर अब घर नहीं,संग्रहालय हो गया है। और मैं? मैं इस सन्नाटे के शाही चौकीदार। कपूरचंद को अब आदत हो गई है। थोड़े-थोड़े दिनों में अलमारी की सफाई करता हूँ। सफाई का अर्थ केवल इतना कि धूल का एक कण भी मेरे पवित्र दुख को दूषित न कर दे। बाकी, श्रीमती जी के कंगन आज भी वहीं टंगे हैं,जहाँ वह महानिष्क्रमण से पहले छोड़ गई थीं। उन कंगन को छूना? तौबा! तौबा! क्या मैं इतना असंवेदनशील हो गया हूँ कि इस अमर प्रेम की निशानी को हाथ लगाऊँ?अजीब भय लगता है! कहीं छू लूँ और ये बज उठें, तो? और फिर कमरे में श्रीमती जी की वह किलकारी गूंज उठेगी ङ्क वही, जो सब्जी में नमक कम होने पर गूंजती थी,या मेरे देर से घर आने पर। वह हंसी नहीं थी साहब,वह तो गृहस्थी की वार्निंग अलार्म थी! और अगर वह अलार्म बज उठा,तो सारा दिन उजियारा नहीं फैलेगा, सारा दिन पेट्रोल-बम फटेंगे! इसलिए,मैं कंगन छूता नहीं। दूर से ही उन्हें साष्टांग प्रणाम करता हूँ। असल में,मैं कंगन को नहीं छूता,मैं अपनी बची-खुची शांति को छूने से डरता हूँ। कपूरचंद संतोषी जीव है; वह स्मृति-बम से खेलना नहीं चाहता। आजकल की सफाई में भी इतनी अध्यात्मिकता कहाँ! लोग ओह माई गॉड कहकर अलमारी खाली कर देते हैं, और मैं...मैं कंगन से आध्यात्मिक संवाद करता हूँ। यह वियोग नहीं, सरकारी प्रोजेक्ट है, जिसे वर्षों तक खींचना है। लोग कहते हैं, सालों तक विश्वास, प्रेम, और समर्पण से सींचो, तब जाकर पति-पत्नी का रिश्ता बरगद बनता है। मूर्ख हैं वे लोग! बरगद बनता है, यह सही है, पर आजकल के मॉर्डन बरगद! उन्हें सींचो, खाद डालो, फिर भी वे सूख जाते हैं। और बरगद के सूखने से ज़्यादा तकलीफदेह है गृहस्थी का पेड़! कपूरचंद ने भी खूब सींचा था, खूब पाला था! विश्वास का खाद,प्रेम का पानी, समर्पण का कीटनाशक! सब लगाया था! तब लगा था, अब यह पेड़ अमर हो गया है, अब इसकी टहनी भी नहीं टूटेगी। और तभी, अचानक अदृश्‍े य आसमान से कोई बिजली नहीं, बल्कि श्रीमती जी का अचानक पलायन हुआ ङ्क एक ऐसी दैवीय बिजली, जिसने कपूरचंद की हरी-भरी गृहस्थी को चंद मिनटों में जलाकर राख कर दिया। यह बिजली कोई साधारण बिजली नहीं थी, यह थी मुक्ति की बिजली! स्वतंत्रता का वज्रपात! श्रीमती जी तो चल बसीं, और कपूरचंद, मैं यहाँ धूँ-धूँ जलता रह गया। अब यह पेड़ सूखा नहीं है, साहब! यह पेड़ व्यंग्य कर रहा है मुझ पर! यह कह रहा है, कपूरचंद, तूने मुझे सींचा, पर तू यह भूल गया कि रिश्ते में जितना ज्यादा सींचोगे, उतनी ही जल्दी बाढ़ आएगी, और सब बह जाएगा! बरगद सूखा नहीं, वह कवि बन गया है, जो अपनी सूखी टहनियों से मुझ पर कविताएँ लिख रहा है। और मैं? मैं उस कविता का दुखी पाठक हूँ।

अब इस खाली घर में जो सन्नाटा पसरा है, वह कोई साधारण सन्नाटा नहीं है। यह फुल-टाइम जॉब है,साहब! चौबीसों घंटे,सातों दिन, यह सन्नाटा मेरे कानों के परदे फाड़ता रहता है। और यह सन्नाटा डरावना इसलिए नहीं है कि श्रीमती जी नहीं हैं,बल्कि इसलिए है कि अब कोई चिल्लाने वाला नहीं है! अब डर लगता है उस अहसास से! बड़ी मुश्किल से छूटी है,कसम से, छूटी है तुम्हारी आदत, श्रीमती जी! हर पल, हर समय बस यही अहसास कि तुम हो यहाँ! अरे,तुम कहीं नहीं गई हो! तुम तो यहीं हो! क्या घटिया मज़ाक था!

कपूरचंद को पता है, श्रीमती जी चली गई हैं, पर दिमाग का एक कोना अब भी भ्रम में जी रहा है। और यह भ्रम कितना पीड़ादायक है, तुम क्या जानो? तुम तो ट्रेन पकड़कर निकल गईं अनंत यात्रा पर! फर्स्ट क्लास में! यह जो हर पल का अहसास था न कि तुम हो, यह टॉक्सिक था, साहब! यह शारीरिक पीड़ा नहीं, यह मानसिक टॉर्चर था! इसलिए मैंने धीरे-धीरे सारा सामान हटा दिया। बर्तन, कपड़े, जूते, यहाँ तक कि वह टेढ़ा-मेढ़ा फोटो भी, जिसमें तुम हँस रही थी, और मैं डरा हुआ लग रहा था। सब हटा दिया! क्योंकि अहसास को मिटाने के लिए सामान मिटाना पड़ता है। पर ये कंगन! ये कंगन पायदान बन गए हैं मेरी आत्मा के लिए! जैसे शरीर से जान निकल जाने के बाद भी बैंक बैलेंस का कोई अंश रह जाता है न बाकी, वैसे ही ये कंगन रह गए हैं। कंगन नहीं, ये तो मेरे गृहस्थ जीवन का आखिरी ई.एम.आई. हैं!

यह अलमारी! यह अलमारी नहीं,यह टाइम-मशीन है! जब भी अलमारी खोलता हूँ, दरवाजे की कर्कश आवाज़ से ये कंगन हौले से खनक उठते हैं! यह खनखनाहट नहीं है, साहब! यह यूनिवर्स का व्यंग्यात्मक सन्देश है कपूरचंद के लिए! ये कंगन कहते हैं, कपूरचंद! अभी मरा नहीं है तू! अभी तो जिन्दा है तू! और मैं? मैं उस पल जी उठता हूँ! मैं नहीं,मेरा मृत-प्रेम जी उठता है! बाकी तो बस रस्म है जीने की! सुबह उठो, चाय बनाओ,अखबार पढ़ो (जिसमें तुम्हारी खबर कभी नहीं छपेगी), और रात को बिना किच-किच के सो जाओ। अब जीना, जीना नहीं है! यह तो सरकारी पेंशन पर जीने जैसा है! हर महीने आता है पर सुकून नहीं मिलता। ये कंगन! ये कंगन चमत्कार कर सकते हैं! अरे! तुम लौट आओ एक बार! इन्हीं कंगन के बहाने ही सही! आकर कह दो कि, कपूरचंद! ये कंगन मेरे नहीं थे! ये तो तेरी भाभी के थे!

# लाल किला हादसा : सुरक्षा के घेरे में असुरक्षा

**दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी,अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक तेज धमाका हुआ,जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई,आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया। यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था,आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई...**



योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

## लाल किला विस्फोट के बाद उठते गंभीर सवाल

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001,2005,2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन-फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी,जो फरीदाबाद से जब्त की गई है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा है,जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ.शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी।

लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़ा करता है। सवाल यह है कि इतनी के ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है,जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं,जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई,फायर ब्रिगेड ने बे ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहो गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है।

लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफेशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। इन दोनों घटनाओं के बीच कें यां जुडने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता,सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बे ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था।

बहरहाल,पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं,कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है। सरकार को त्वरित राहत,मुआवजा और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी होगी। अपराधियों को पक े ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए,पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है,जिसे हर नागरिक की जागरूकता,तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है,यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर स्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए। दिल्ली की हवा में आज केवल धुआं नहीं बल्कि चिंता और सवाल तैर रहे हैं और जब तक इन सवालों का जवाब तथ्यों, साक्ष्यों और न्याय की कसौटी पर नहीं मिलता, तब तक यह विस्फोट केवल एक हादसा नहीं रहेगा बल्कि हमारी सामूहिक चेतना पर लगी गहरी चोट की तरह याद किया जाएगा। देश उम्मीद कर रहा है कि जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करते हुए दोषियों को बेनकाब करेंगी और दिल्ली फिर से वही शहर बनेगी, जो हर संकट के बाद और मजबूत होकर उठ खे ी होती है।

# रोजगार संकट : भारत के आईटी क्षेत्र में छंटनी की लहर

***कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव से भारत के सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में गहरे संरचनात्मक परिवर्तन, पर क्या तैयार है देश का श्रमबल?***

भारत के आईटी क्षेत्र में हाल की छँटनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वचालन के दौर की अनिवार्य वास्तविकता हैं। यह केवल रोजगार संकट नहीं, बल्कि कौशल और तकनीक के पुनर्संतुलन की प्रक्रिया है। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिलकर एक राष्ट्रीय पुनःप्रशिक्षण अभियान चलाना चाहिए, ताकि लाखों पेशेवरों को नई तकनीकी दिशा मिल सके। भविष्य में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो अपने युवाओं को डिजिटल श्रमिक नहीं बल्कि तकनीकी नवप्रवर्तक बनाएगा। परिवर्तन अवश्यंभावी है, लेकिन विवेक और दूरदृष्टि के साथ यह परिवर्तन भारत के लिए शक्ति बन सकता है।भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लंबे समय से देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार रहा है। यह क्षेत्र न केवल सेवा निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि लाखों शिक्षित युवाओं को उच्च आय वाले रोजगार भी प्रदान करता रहा है। परंतु हाल के वर्षों में इसमें एक गहरी हलचल देखी जा रही है। वर्ष 2024-25 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस) द्वारा लगभग 20,000 नौकरियों में की गई कटौती ने पूरे उद्योग को हिला दिया। यह केवल एक कंपनी का प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय आईटी क्षेत्र में चल रहे एक व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत है।यह परिवर्तन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन अधिगम और स्वचालित प्रणालियों के तीव्र विस्तार के कारण हो रहा है। जिन कार्यों के लिए पहले सैकड़ों कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब वही कार्य कुछ ही मिनटों में स्वचालित



डॉ प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

तकनीक द्वारा संपन्न किए जा रहे हैं। सॉफ्टवेयर निर्माण, परीक्षण, और ग्राहक सेवा जैसे कार्य अब एजेंटिक एआई प्रणालियों द्वारा अधिक कुशलता से किए जा रहे हैं। इससे कंपनियों की उत्पादकता तो बढ़ी है, लेकिन मानव श्रम की आवश्यकता घटने लगी है—और यही इस मौन छँटनी की सबसे बड़ी वजह है।

टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और कॉग्निज़ेंट जैसी कंपनियाँ अब पुराने आउटसोर्सिंग÷ मॉडल से हटकर मूल्य आधारित डिजिटल सेवा÷ मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। यह परिवर्तन सीधे तौर पर मध्यम स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित कर रहा है, जिनके कौशल पारंपरिक तकनीकों तक सीमित हैं। वे नई एआई आधारित प्रणालियों के अनुरूप स्वयं को ढाल नहीं पा रहे हैं। यही कौशल असंगति इस संकट का मूल कारण है। एआई आधारित उपकरणों ने सॉफ्टवेयर उद्योग में मध्य प्रबंधन और सहायक भूमिकाओं को लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। पहले जहाँ ईआरपी प्रबंधन या सिस्टम रखरखाव के लिए बड़े दलों की आवश्यकता होती थी,अब वही कार्य कुछ प्रोग्राम और क्लाउड स्वचालन प्रणालियाँ पूरी कर देती हैं। कंपनियों के लिए यह लागत घटाने का साधन है, लेकिन लाखों कर्मचारियों के लिए यह असुरक्षा का कारण बन गया है।



यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका और यूरोप में भी तकनीकी उद्योगों में बजट कटौती और व्यापारिक संरक्षणवाद के कारण भारी परिवर्तन हो रहे हैं। विदेशी ग्राहक अब मानव श्रम आधारित सेवाओं की जगह तकनीक-आधारित समाधान चाहते हैं। साथ ही, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा शुल्क वृद्धि और स्थानीय भर्ती नीतियों ने भारतीय कंपनियों के लिए विदेशों में कर्मचारियों की नियुक्ति को कठिन बना दिया है। इन सब कारणों से कंपनियाँ घरेलू स्तर पर भी कार्यबल कम करने पर मजबूर हो रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच भारत की शीर्ष पाँच आईटी कंपनियों में लगभग 50,000 नौकरियाँ समाप्त हुई हैं। कंपनियाँ इसे कार्य दक्षता में सुधार बताती हैं,परंतु वास्तविकता यह है कि मानव संसाधन की आवश्यकता कम होती जा रही है। यह न केवल आर्थिक चुनौती है,बल्कि सामाजिक रूप से भी चिंता का विषय है, क्योंकि आईटी क्षेत्र देश के सबसे शिक्षित और संगठित वर्ग को रोजगार देता है।

फिर भी,इस परिवर्तन को पूरी तरह नकारात्मक नहीं कहा जा सकता। हर तकनीकी क्रांति अपने साथ अवसर भी लाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने नए क्षेत्र खोले हैं – जैसे डेटा विज्ञान, क्लाउड इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, और एआई मॉडल निर्माण। प्रश्न यह नहीं है कि नौकरियाँ समाप्त हो रही हैं, बल्कि यह कि पुराने कौशल अप्रासंगिक हो रहे हैं और नए कौशलों की मांग बढ़ रही है। अब आवश्यकता है कि सरकार, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र मिलकर समन्वित प्रयास करें।सबसे पहले, राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल पुनःप्रशिक्षण अभियान चलाना होगा। टीसीएस ने स्वयं 5.5 लाख कर्मचारियों को मूल एआई प्रशिक्षण दिया और एक लाख को उन्नत प्रशिक्षण में सम्मिलित किया। यदि इस मॉडल को अन्य कंपनियों और सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाए, तो बड़ी संख्या में पेशेवरों को पुनःकुशल बनाया जा सकता है।दूसरे, तकनीकी शिक्षा संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में मूलभूत परिवर्तन लाने होंगे। अब केवल प्रोग्रामिंग या नेटवर्किंग नहीं,बल्कि एआई नैतिकता, उत्पाद सोच,डेटा विश्लेषण, और सृजनात्मक समस्या समाधान जैसे विषयों को शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत इन विषयों को शामिल कर युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार किया जा सकता है। तीसरे,सामाजिक सुरक्षा ढाँचे को मज़बूत करना होगा। छँटनी झेल रहे कर्मचारियों को सेवरेंस पैकेज,पुनःप्रशिक्षण सब्सिडी,और मानसिक स्वास्थ्य सहायता दी जानी चाहिए। भारत में निजी क्षेत्र के अधिकांश कर्मचारी किसी औपचारिक सुरक्षा प्रणाली से बाहर हैं। ऐसे में सरकार को डिजिटल रोजगार सुरक्षा कोष या टेक्नो-कर्मचारी बीमा योजना÷ जैसी पहल शुरू करनी चाहिए।चौथे, सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ। एड-टेक कंपनियों, नासकॉम और राज्य सरकारों को मिलकर क्षेत्रीय प्रशिक्षण मिशन शुरू करने चाहिए, ताकि बेरोजगार तकनीकी पेशेवरों को नए कौशल सिखाए जा सकें।

पाँचवाँ, नवाचार और स्टार्ट-अप संस्कृति को और प्रोत्साहित करना होगा। एआई आधारित उत्पाद विकास और डीप-टेक उद्यमिता को बढ़ावा देकर नए रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। सरकार को स्टार्ट-अप इंडिया और डिजिटल इंडिया योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। अगर भारत अपने युवाओं को रोजगार चाहने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बना सका,तो यह संकट अवसर में बदल सकता है।

साथ ही, कंपनियों को अपनी मानव संसाधन नीतियों में संवेदनशीलता लानी होगी। मौन छँटनी या जबरन निष्कासन जैसी प्रक्रियाएँ कर्मचारियों के आत्मबल को तोड़ देती हैं। तकनीकी विकास तभी सार्थक है जब वह मानवीय मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। भारत के पास इस समय एक अनूठा अवसर है। हमारे पास विश्व का सबसे बड़ा युवा तकनीकी कार्यबल है। यदि यह कार्यबल सही दिशा और कौशल के साथ प्रशिक्षित हो सके, तो भारत न केवल आईटी सेवाओं का केंद्र रहेगा बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक युग में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। इसके लिए एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय डिजिटल कौशल मिशन 2030 की रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए। टीसीएस की छँटनी जैसी घटनाएँ हमें यह चेतावनी देती हैं कि तकनीकी युग में स्थिरता केवल निरंतर सीखने और अनुकूलन से ही संभव है। आने वाले दशक में वही कंपनियाँ सफल होंगी जो तकनीकी दक्षता के साथ-साथ मानवीय कौशल—जैसे विवेकपूर्ण निर्णय, रचनात्मकता और नैतिक सोच—को भी महत्त्व देंगी।

भारत के आईटी क्षेत्र ने विश्व में अपनी पहचान गुणवत्ता,नवाचार और भरोसे के बल पर बनाई है। यह भरोसा तभी कायम रह सकता है जब उद्योग अपने कर्मचारियों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि साझेदार÷ समझे। अब समय आ गया है कि सरकार एक प्रौद्योगिकी रोजगार नीति बनाए जो नवाचार और सुरक्षा दोनों का संतुलन स्थापित करे।

तकनीकी क्रांतियाँ हमेशा समाज को दो विकल्प देती हैं—या तो उनके साथ विकसित हुआ जाए, या उनके नीचे दबा जाए। भारत के लिए यही समय है कि वह इस परिवर्तन को अपने अनुकूल बना ले। यदि देश इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीतिगत समन्वय के साथ संभाल सका, तो यह छँटनी का दौर भविष्य के लिए एक नया अवसर बन सकता है।

## लघुकथा

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला

### // योगदान //

पिछले फ्राइडे को सांसद का आगमन हुआ। उनकी खूब आवभगत हुई। बड़े खुश होकर लौटे थे सांसद महोदय भी। अंचल के लोग उनके दर्शन से धन्य हुए। पब्लिक की माँग पर सांसद से गाँव और ब्लॉक को एक से बढ़कर एक सौगात मिली। लोगों को लगने लगा कि पूरे क्षेत्र का उद्धार हुआ इस बार। सांसद-आगमन की उपलब्धि पर सब अपने-अपने कर्तव्यों की तारीफ करते हुए नहीं अघा रहे थे।

मैं जानता हूँ कि सांसद महोदय को अपने राहुद गाँव तक लाने में मुझे कितना पापड़ बेलना पड़ा है। बाप रे इतनी मेहनत ! अपनी फेवरपार्टी के गमछे से माथे को पोंछते हुए सरपंच राधेश्याम ने कहा।कई बार उनके घर जाकर हाथ-पाँव



जोड़े; तब कहीं हुआ सांसद महोदय का आना। एक नेता टाइप के शख्स का कहना था।यहाँ इतने सारे लोगों के लिए भोजन व्यवस्था करना कोई मामूली बात नहीं है। पूरा बदन दुख रहा है। यह स्व-सहायता समूह की महिलाओं की आवाज थी।

तरह-तरह की बातें सुन कुछ युवकों का कहना हुआ- इस गाँव से लगे तुमड़ीसुर में पुलिस चौकी बनना तय हुआ। इसमें हम युवाओं की अहम भूमिका है। तभी क्षेत्रीय विधायक, राहुद जैसे पिछड़े गाँव का मैंने उद्धार कर दिया यहाँ कॉलेज खुलवाकर..कहते हुए अपने पिछलग्गुओं के साथ कार की सामने वाली सीट पर बैठे।अब सरकारी महकमे वालों की बारी आई। एस डी एम साहब का भी मन कुछ बोलने को हुआ- यहाँ की पूरी व्यवस्था को मैंने सम्भाला है। सांसद साहब मेरी वजह से यहाँ तक पहुँचे। पूरे अंचल को मेरा शुक्रगुजार होना चाहिए। अरे ! कोई कुछ भी; और कितना भी करे, कुछ नहीं होने वाला था हम सबके बगैर। हम डटे रहे हैं, तब सांसद जैसे नेता इस नानचुक गाँव में आये।% चार-पाँच कोतवाल और पुलिस वाले हँस-हँसकर बतिया रहे थे। वहीं पर एक रिटायर्ड टीचर चौहान जी खड़े थे। भीड़ की बातें उनके कानों पर पड़ी। फिर नजर गयी अपने हमउम्र आमवृक्ष पर; जिसे हेलीपैड अरेंजमेंट के लिए जड़ सहित काट दिया गया था।

## सुविचार

**सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।**

## सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

# शंकर घाट की बीमार गाय का मामला

# किसका काम 'सेवा' और किसका 'कमाई'?

## शंकर घाट के पास बीमार पड़ी गाय को लेकर शहर में विवाद,सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप तेज

- नगर निगम की भूमिका और पशु प्रेमियों की जिम्मेदारी पर उठे सवाल
- नगर निगम चुप,और 'गौ-सेवा' के नाम पर पैसा कमाने वाले सक्रिय...



-अविनाश राहगीर-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। शहर के शंकर घाट के पास एक बीमार गाय मिलने के बाद सोशल मीडिया पर पशु संरक्षण और नगर निकाय की जिम्मेदारी को लेकर बहस तेज हो गई है। घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर सबसे पहले वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिंह नामक नागरिक द्वारा साझा की गई। उन्होंने लिखा कि बीमार गाय की सूचना दिए जाने पर नगर निगम और पशु संरक्षण से जुड़े कुछ व्यक्तियों ने उचित सहायता करने के बजाय बहाने बनाए और पैसे की मांग की बात कही,जिससे वे आक्रोशित हुए,अरुण सिंह ने अपनी पोस्ट में कहा कि 'जानवरों की सेवा के नाम पर कुछ लोग लोगों से पैसे लेकर अपना लाभ साधते हैं,जबकि वास्तविक सेवा नहीं करते।' पोस्ट वायरल होने के बाद इस मुद्दे पर शहर के अन्य नागरिक भी अपनी प्रतिक्रिया देने लगे। शहर में गाय की सेवा, पशु प्रेम,धार्मिक आस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारी तीनों ही इस घटना के केंद्र में हैं, मामला अब केवल सोशल मीडिया बहस नहीं रहा,नागरिकों ने नगर निगम और पशु चिकित्सा विभाग से स्पष्ट,जवाबदेह और पारदर्शी कार्यप्रणाली लागू करने की मांग की है।

### सोशल मीडिया पर दूसरी ओर से भी आया जवाब

अरुण सिंह की पोस्ट पर ओनिमेश सिन्हा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक गाय की बीमारी का मामला नहीं,बल्कि शहर में छोड़ी जाने वाली बेसहारा गायों और दूध व्यवसाय पर आधारित बड़े स्तर की समस्या है। उन्होंने कहा कि कई लोग दूध निकालने के बाद गायों को सड़कों पर छोड़ देते हैं, जिसके चलते हर महीने कई गायों की मौत होती है। ओनिमेश सिन्हा ने यह भी कहा कि कुछ लोग धार्मिक भावनाओं के नाम पर गायों का उपयोग राजनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए करते हैं, लेकिन उन्हें उचित चारा, देखभाल और आश्रय नहीं देते। शहर के शंकर घाट में बीमार पड़ी गाय की घटना ने यह साफ कर दिया है कि गौ-सेवा यहाँ भावना नहीं कारोबार बन चुकी है,लेकिन न नगर निगम आया,न पशु चिकित्सा विभाग सक्रिय हुआ,ऊपर से, जिन लोगों को शहर में गौ-सेवा का हीरो समझा जाता है,उन्होंने सहायता नहीं पैसे की शर्त रख दी,गाय मर रही थी, और यहाँ सौदेबाजी हो रही थी, यही है असल 'गौ-भक्ति '?







### रेस्क्यू और इलाज कौन करेगा? सवालों के घेरे में प्रशासन

इस मुद्दे पर सत्यम द्विवेदी नामक युवा ने टिप्पणी करते हुए बताया कि शहर में मात्र दो संस्थाएँ ही ऐसी हैं जो बेसहारा पशुओं के रेस्क्यू का कार्य करती हैं,उन्होंने कहा कि 'बीमार और रेबीज जैसी जानलेवा अवस्था वाले पशुओं का इलाज करना किसी संगठन के लिए आसान नहीं,इस मामले में भी संबंधित पशु पुनर्वास केंद्र से संपर्क ही नहीं किया गया।' उनके अनुसार,यदि सही समय पर पशु पुनर्वास केंद्र को सूचना मिलती तो रेस्क्यू की प्रक्रिया बेहतर हो सकती थी।

### नागरिकों ने की नगर निगम से स्पष्ट नीति बनाने की मांग

शहर में बेसहारा और बीमार पशुओं के लिए आपातकालीन रेस्क्यू सिस्टम क्यों नहीं है? नगर निगम के पास समर्पित पशु वाहन और पशु चिकित्सा टीम क्यों उपलब्ध नहीं है? दूध व्यवसाय के बाद पशु छोड़ने वालों पर कार्यवाही क्यों नहीं होती? नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ एक गाय का मामला नहीं, बल्कि नगर की पशु प्रबंधन व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

### नगर निगम कहाँ है? पशु चिकित्सक कहाँ है?

जब शहर में हर दिन गौमाता सड़क पर घायल मिलती है कुत्तों से बचते-बचते दम तोड़ देती है टायरों के नीचे कुचल जाती है तब नगर निगम सिर्फ दिखावे वाली गाड़ियों पर पेट्रोल फूंक रहा है। ना रेस्क्यू वैन, ना चौकसी, ना तत्काल सहायता, तो नगर निगम का पशु कर और अनुदान कहाँ जा रहा है? किसके घर भर रहे हैं ये पैसे?

### अब कार्रवाई नहीं,नाम चाहिए शहर के नागरिकों की मांग

बीमार गाय के मामले में कौन व्यक्ति पैसे मांग रहा था, उसका नाम सार्वजनिक हो,नगर निगम तत्काल स्थाई पशु रेस्क्यू टीम और 24म7 हेल्पलाइन शुरू करें,दूध व्यवसाय के बाद गाय छोड़ने वालों पर एफआईआर और जुर्माना अनिवार्य हो, गौशाला और पुनर्वास केंद्रों की वित्तीय और कार्यप्रणाली की जांच हो।

### शहर में 'गौ-सेवा' नहीं,'गौ-व्यापार' चल रहा है...

ओनिमेश सिन्हा ने स्पष्ट लिखा: 'कुछ लोग दूध बेचते हैं और जब गाय बूढ़ी हो जाती है तो उसे आवारा छोड़ देते हैं, हर महीने कई गायें मरती हैं, लेकिन इनके लिए कोई कार्रवाई नहीं होती, और यह सब उन लोगों के नाम पर जो गाय और धर्म की राजनीति में आगे-आगे रहते हैं।

# कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलटा दो बच्चे घायल,तीन दुकानें क्षतिग्रस्त

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे-130 स्थित उदयपुर के डांडगांव के पास बुधवार की सुबह अनियंत्रित होकर कोयला लोड हाइवा पलट गया और कोयला बिखर गया। सडक़ पर कोयला बिखरने से आस दो बच्चे घायल हो हैं। जबकि तीन दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई। भडक़े लोगों ने सडक़ पर चक्काजाम कर दिया। तहसीलदार और थानेदार की समझाइश पर ग्रामीणों ने ढाई घंटे बाद चक्काजाम खत्म किया।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 8.45 बजे कोयला लोड कर ट्रेलर अंबिकापुर से बिलासपुर की ओर जा रहा था। तेज रफ्तार के कारण उदयपुर के डांडगांव के पास अनियंत्रित हो गया हौर पलट गया। ट्रेलर में लोड कोयला बिखर गया और कोयले की चपेट में खेल रहे दो बच्चा घायल हो गया। कोयला के बिखरने से तीन दुकानें भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से कोयले के मलबे में फंसे दोनों बच्चों को बाहर निकला गया और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। एक बच्चे की स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने अंबिकापुर रेफर कर दिया है। घटना को देखते हुए ग्रामणों ने चक्काजाम कर दिया।



ग्रामीणों का कहना है कि सडक़ पर स्पीड ब्रेकर न होने से वाहनों की गति काफी तेज होती है और दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। सूचना पर उदयपुर तहसीलदार विकास जिंदल, थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह मौके पर पहुंचे और समझाइश दी। ढाई घंटे बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया।

# 'श्री रामलला दर्शन योजना' के तहत सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु तीर्थयात्री अयोध्या के लिए रवाना





-संवाददाता-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के अंतर्गत सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु तीर्थयात्री आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन में तीर्थयात्रियों की विशेष ट्रेन को लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज सहित जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर स्पेशल ट्रेन को रवाना किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी जिला पंचायत उपाध्यक्ष, श्री देवनारायण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी यात्रियों को सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं देखभाल हेतु जिले से अनुरक्षक दल भी उनके साथ भेजा गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भोजन, आवास एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह विशेष ट्रेन 15 नवम्बर 2025 को वापस अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस अवसर पर पर्यटन अधिकारी श्री आशीष वर्मा, IRCTC एवं रेलवे विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

**धार्मिक आस्था और संवेदना का संगम** : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आरंभ की गई 'श्री रामलला दर्शन योजना' का उद्देश्य आमजन, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर प्रदान करना है। यह योजना न केवल श्रद्धा और आस्था को सशक्त बनाती है, बल्कि शासन की संवेदनशीलता और जनसेवा के भाव को भी दर्शाती है।

## पीजी कॉलेज में यूथ डायलॉग सीरीज के अंतर्गत प्रेरणादायक सत्र का आयोजन

# इंटरनेट और एआई टूल्स का करें रचनात्मक उपयोग : लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में 'यूथ डायलॉग सीरीज' के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के सोशल इनोवेशन एंड कम्यूनिटी एंगेजमेंट सेल और मुहिम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अपने जीवन के अनुशासन, समर्पण और संघर्ष के अनुभव साझा किए तथा युवाओं को अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने और सकारात्मक सोच बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर योजना, परीक्षा की तैयारी



और व्यक्तित्व विकास से संबंधित व्यावहारिक सुझाव दिए। साथ ही उन्होंने युवाओं से कहा कि वे इंटरनेट और एआई टूल्स का रचनात्मक उपयोग करें, नए अवसरों की खोज करें और एक-दूसरे से सीखने की संस्कृति विकसित करें। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे साथियों का चयन करने, टीमवर्क को बढ़ावा देने और सीखने की मानसिकता बनाए रखने की भी सलाह दी। लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता सरगुजा जिले के बतोली ब्लॉक के मूल निवासी हैं एवं वर्तमान में भारतीय नौसेना में मुंबई में पदस्थ हैं।

# न्यायालय भवन निर्माण की मांग पर 5 दिन से चल रहा आंदोलन स्थगित,मुख्य न्यायाधीश का सकारात्मक आश्वासन

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा नवीन न्यायालय भवन को वर्तमान स्थल पर ही निर्मित किए जाने की मांग को लेकर 6 नवम्बर से प्रारंभ किए गए अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन 12 नवंबर को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, मौखिक आश्वासन के पश्चात् स्थगित किया गया। 11 नवम्बर को जिला अधिवक्ता संघ एवं संघर्ष समिति का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल मुख्य न्यायाधीश से भेंट करने बिलासपुर पहुंचा था। प्रतिनिधिमंडल ने नवीन न्यायालय भवन स्थानांतरण से संबंधित समस्याएं



बताई। न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं की बात को अत्यंत गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना तथा प्रतिनिधिमंडल को मौखिक रूप से आश्वस्त किया कि उपलब्ध अभिलेखों, दस्तावेज़ों एवं वस्तुस्थिति का संपूर्ण परीक्षण कर वर्तमान स्थल पर ही न्यायालय भवन निर्माण के लिए यथासंभव सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

# हत्या के मामले मे विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार...

## वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। उक्त हत्या के मामले में बताया गया कि सूचना दिनांक 10/09/25 को थाना गांधीनगर आकर गुम इंसान रिर्पोट दर्ज कराया गया कि प्रार्थिया की नाबालिग लडकी अपने अन्य सहेलियों के साथ निवास करती थी,जो दिनांक 04/08/25 को दोपहर करीब 2-30 बजे रूम से अपने सहेलियों को बिना बताये कही चली गई है,आस-पड़ोस रिश्तेदार मे पता तलाश किये जो लड़की का पता नहीं चला साथ ही गुम नाबालिग बालिका का मोबाइल भी बंद बता रहा है प्रार्थिया द्वारा शंका जाहिर किया गया कि प्रार्थिया की नाबालिग लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कर ले गया है, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे गुम इंसान क्रमांक 80/25 कायम कर मामले मे अपराध क्रमांक 527/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान में लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा मामले मे पुलिस टीम को त्वरित कार्यवाही किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा गुम नाबालिग के सम्बन्ध मे लगातार पता तलाश किया जा रहा था,इस दौरान साइबर सेल से तकनिकी जानकारी प्राप्त कर गुम नाबालिग से लगातार संपर्क मे रहे एक युवक को पकड़कर पूछताछ किया गया जो विधि से संघर्षरत बालक द्वारा पूछताछ मे बताया कि गुम नाबालिग से उसका जानपहचान था एवं दोनों मे मोबाइल के माध्यम से बातचीत होता था एवं दोनों का प्रेम सम्बन्ध होना बताया, जो बाद मे नाबालिग बालिका, विधि से संघर्षरत बालक पर शादी का दबाव बनाने लगी, कि दिनांक 03/08/25 को उक्त नाबालिग बालिका द्वारा विधि से संघर्षरत बालक को फ़ोन कर मिलने आने और शादी करने की बात बोली, शादी नहीं करने पर रिपोर्ट करने की बात बोलने लगी, जिस पर से विधि से संघर्षरत बालक द्वारा उक्त नाबालिग बालिका को मारकर चिरगा पहाड़ मे फेक देने की योजना बनाया गया। विधि से संघर्षरत बालक़ दिनांक 04/08/25 को नाबालिग बालिका को अपने साथ मोटरसायकल मे बैठाकर घूमने के बहाने बतौली चिरगा पहाड़ जंगल की तरफ ले गया, और अपने मोटरसायकल को खड़ी कर नाबालिग बालिका को अपने साथ नाला के पत्थर के बांध की तरफ ले गया और नाबालिग बालिका का गला दबाकर हत्या कर दिया और नाबालिग बालिका के मोबाइल को अपने पास रख लिया और शव को बांध के कोने मे एक गड्ढे मे डालकर ऊपर से पत्थर डालकर छुपा दिया, एवं नाबालिग का लेडीज बैग को भी शव के साथ ही अंदर डाल दिया था, और मृतिका के मोबाइल के सिम को रास्ते मे कही फेक देने बताया है, और उस मोबाइल मे बाद मे अपने पिताजी के नाम पर नया सिम लेकर लगाकर चलाना बताया है, विधि से संघर्षरत बालक के निशानदेही पर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की अनुमति से चिरगा पहाड़ जंगल के पास नाला के पास पत्थर के बांध की तरफ स्थित गड्ढे से पत्थर हटाकर देखा गया जो गड्ढे से बैग मय कपड़ा के एवं मानव कंकाल मिला जिसकी पहचान परिजनों द्वारा व्यपहृता के रूप मे की गई, बाद पुलिस टीम द्वारा मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए मर्ग कार्यवाही कर पंचनामा पश्चात कंकाल को पीएम हेतु भेजा गया, विवेचना दौरान धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध घटित होना पाये जाने पर उक्त धारा मामले मे जोड़कर विधि से संघर्षरत बालक को प्रकरण मे गिरफ्तार कर माननीय किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाता है। मामले मे विधि से संघर्षरत बालक के निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त मोटरसायकल एवं मोबाइल जप्त किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार कृष्णा कवर, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक संजय नाथ तिवारी, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक मेबीस ज्योत्स्ना, महिला आरक्षक मेरी क्लोरेट, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, विकास सिंह, ऋषभ सिंह, कुंदन पाण्डेय, घनश्याम देवांगन, एडवर्ड, रवि सिंह, विजय सिंह, विकास एक्का सक्रिय रहे।

CMYK

# सहकारी कर्मचारियों की हड़ताल तेज,ऐसे में कैसे होगी धान खरीदी?

## संभाग के 249 धान उपार्जन केंद्रों में ताले...नहीं कट रहे टोकन–सरकार से लिखित आश्वासन की मांग तेज

- सहकारी कर्मचारियों की हड़ताल तेज,धान खरीदी पर संकट गहराया...
- सहकारी समितियों में ताले,टोकन जारी पूरी तरह बंद
- 15 नवंबर की खरीदी पर बड़ा सवाल,आखिर कैसे होगी शुरुआत?

-अनिल सिन्हा-

सरगुजा,12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है,लेकिन सहकारी समितियों के कर्मचारियों की हड़ताल ने सरकार की व्यवस्था की पोल खोल दी है,कोरिया जिले सहित सरगुजा संभाग की अधिकांश समितियों में ताले लटके हैं,कर्मचारी कार्यालय से बाहर धरने पर, और किसान टोकन के इंतजार में परेशान हैं, 10 नवंबर से टोकन काटना बंद है, 15 नवंबर से खरीदी शुरू होनी है, लेकिन सवाल साफ है 'कर्मचारी ही नहीं तो खरीदी कौन करेगा? ' बता दे की प्रदेशभर में सहकारी समितियों के कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब सरगुजा संभाग और कोरिया जिले में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ होनी है, लेकिन कर्मचारियों की हड़ताल के कारण समितियों में खरीदी की तैयारी नहीं हो सकीहै। कई समितियों के कार्यालयों में ताले लटके हुए हैं,जिससे किसानों में चिंता है, छत्तीसगढ़ में धान खरीदी से पहले सहकारी समितियों के कर्मचारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। नवंबर माह से कोरिया जिला सरगुजा संभाग सहित पूरे प्रदेश में सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, कंप्यूटर ऑपरेटर महासंघ और समर्थन मूल्य धान खरीदी से जुड़े कर्मचारी अपनी चार सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर धरने पर हैं, हड़ताल के आठवें दिन कर्मचारियों ने 'सद्बुद्धि यज्ञ दिवस' मनाकर सरकार को जल्द निर्णय लेने का संदेश दिया था इस हड़ताल के कारण 15 नवंबर से धान खरीदी के लिए टोकन जारी नहीं हो पाए हैं, जिससे धान खरीदी प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

### टोकन नहीं कट रहे किसानों की चिंता बढ़ी

धान खरीदी के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई है। हड़ताल के कारण समितियों में आवश्यक सॉफ्टवेयर इंस्टॉल नहीं हो पाया है, जिससे टोकन काटना असंभव हो गया है। सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ और कंप्यूटर ऑपरेटर संघ का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार लिखित आश्वासन नहीं देती, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।

### हड़ताल में प्रबंधक से लेकर ऑपरेटर तक पूरा स्टाफ शामिल

इस समय हड़ताल में समिति प्रबंधक,कंप्यूटर ऑपरेटर और सपोर्ट स्टाफ सभी शामिल हैं,ध्यान देने वाली बात धान खरीदी की पूरी प्रणाली कंप्यूटर और टोकन पर आधारित है, कर्मचारी कहते हैं 'हम इंस्टॉल नहीं करेंगे,तो टोकन नहीं कटेगा,और टोकन नहीं कटेगा,तो खरीदी शुरू ही नहीं हो सकती।

### आंदोलन को मिला राजनीतिक समर्थन

सरगुजा संभाग में आंदोलनरत कर्मचारियों को पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव,पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े और प्रीतम राम का समर्थन मिला है।

### 'सरकार आंदोलन तोड़ने में जुटी ', कर्मचारी नेता

सहकारी कर्मचारी महासंघ के संभागीय अध्यक्ष ने कहा कि सरकार उनकी मांगों को हल करने के बजाय आंदोलन कमजोर करने में लगी है, 'जब तक कंप्यूटर ऑपरेटर इंस्टॉलेशन नहीं करेंगे, टोकन नहीं कटेगा, और टोकन नहीं कटेगा तो खरीदी शुरू ही नहीं होगी,किसान परेशान होंगे और सरकार खुद अपनी किरकिरी करा रही है। '

### हड़ताल के आठवें दिन 'सद्बुद्धि यज्ञ'

हड़ताल के आठवें दिन कर्मचारियों ने 'सद्बुद्धि यज्ञ दिवस' मनाकर सरकार को संदेश दिया कि अगर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो धान खरीदी प्रभावित होगी। सरगुजा संभाग के छह जिलों – बलरामपुर (49 केंद्र), जशपुर (46), कोरिया (21), सरगुजा (54), सूरजपुर (54) और एमसीबी (25) – के सभी 249 उपार्जन केंद्रों पर खरीदी की प्रक्रिया रुकी हुई है।

### कोरिया जिले में खरीदी का लक्ष्य

खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए कोरिया जिले में 22,126 किसानों से 1,37,468 मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। पिछले वर्ष (2024-25) में 23,117 किसानों ने पंजीकरण कराया था और 1,28,478 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था।

### संभाग मुख्यालयों में लगातार धरना, सरकार पर गंभीर आरोप

हड़ताल के दौरान संयुक्त महासंघ ने आरोप लगाया 'सरकार समस्या सुलझाने नहीं, आंदोलन तोड़ने में व्यस्त है, कहा जा रहा है कि सरकार की बैठक में न तो लिखित आश्वासन दिया गया और न ही कैबिनेट स्तर पर निर्णय की समयसीमा, यानी 'बातचीत सिर्फ समय निकालने के लिए। 'किसानों के सामने बड़ी समस्या, कटाई शुरू,भंडारण की जगह नहीं- धान की कटाई शुरू हो चुकी है, ग्रामीण क्षेत्रों में घर और खलिहान पहले से भरे हैं,अब टोकन नहीं कटने से किसान परेशान, किसान कह रहे हैं 'धान घर में रखे-रखे खराब होगा, खरीदी नहीं शुरू हुई तो गांवों में संकट खड़ा हो जाएगा। '

**आंदोलन को मिला राजनीतिक समर्थन :** धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने हड़ताली कर्मचारियों को खुला समर्थन दिया, उन्होंने कहा 'कांग्रेस सरकार के समय 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति हुई थी, और आज उन्हीं फैसलों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है, अब सत्ता में आकर चुप क्यों हैं?' उनकी यह टिप्पणी सीधे सत्ता पर चोट मानी जा रही है।

### कर्मचारियों की चार प्रमुख मांगें जिन पर सरकार चुप

- मध्यप्रदेश की तर्ज पर 2058 समितियों को 3-3 लाख प्रबंधकीय अनुदान
- सेवानियम 2018 में संशोधन करते हुए पुनरीक्षित वेतनमान लागू
- धान खरीदी में सुखांत,फसल बीमा व कमीशन चार गुना बढ़ाकर भुगतान
- कंप्यूटर ऑपरेटरों की आउटसोर्सिंग बंद कर नियमित वेतन पर स्थाईकरण सरकार ने अब तक एक भी मांग पर ठोस लिखित निर्णय नहीं दिया, केवल मौखिक भरोसा, और यह कर्मचारियों ने साफ़-साफ़ ठुकरा दिया है।

### गुलाब कमरो का बयान

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने साय सरकार पर निशाना साधते हुए कहा — 'धान खरीदी की तारीख नजदीक है लेकिन तैयारियां शून्य हैं,पोर्टल बंद है, टोकन नहीं कट रहे, और किसान परेशान हैं। सरकार को कर्मचारियों की मांगें तुरंत मान लेनी चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि डीएपी और यूरिया की कमी, एग्रीस्टेक रजिस्ट्रेशन में देरी और कमीशन दरों में विसंगति से किसान दोहरी मार झेल रहे हैं।

### निष्कर्ष स्पष्ट है...

हड़ताल जारी, मांगें स्पष्ट, टोकन बंद, खरीदी अटकी अब स्थिति कर्मचारियों के हाथ में नहीं, सरकार के निर्णय पर टिक गई है, अगर सरकार ने लिखित आश्वासन नहीं दिया, धान खरीदी 15 नवंबर को शुरू नहीं हो पाएगी, और इसका सीधा नुकसान किसानों, समितियों और पूरे राज्य के अनाज प्रबंधन को होगा।

# न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए ग्राम बांसापारा में डिक्रीधारी पक्ष को भूमि का विधिवत् कब्जा दिलाया गया

-संवाददाता-

सूरजपुर,12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

हाई कोर्ट न्यायालय के आदेशों के अनुपालन एवं विधि के शासन को सुनिश्चित करने हेतु सिविल निष्पादन प्रकरण क्रमांक 6/2021 रामफल बनाम फूलकुंवर व अन्य में महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई,माननीय तृतीय व्यवहार न्यायाधीश,वरिष्ठ श्रेणी, सूरजपुर के आदेश के अनुसार डिग्री दिनांक 24.08.2015 के तहत ग्राम बांसापारा, चौकी बसदेई,थाना एवं तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर स्थित खसरा नंबर 453, रकबा 0.23 आरे भूमि का वास्तविक कब्जा डिक्रीधारी पक्ष को दिलाया गया,माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मेमो परिपत्र क्रमांक 8511/एस.सी.एम.एम. दिनांक 03.05.2025 एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सूरजपुर के पत्र क्रमांक क/एक-15/2024 दिनांक 26.05.2025 के अनुसार,सभी निष्पादन प्रकरणों का निराकरण छह माह की अवधि में करना अनिवार्य किया गया है,उक्त निर्देशों के अनुपालन में न्यायालय द्वारा कब्जा वारंट जारी कर संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था,न्यायालय की आदेशिका के अनुपालन में नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो भैयाथान के नेतृत्व में राजस्व अमला एवं सिविल न्यायालय सूरजपुर के आदेशिका वाहक विष्णु ठाकुर की उपस्थिति में कार्रवाई संपन्न कराई गई,राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा मौके पर पहुंचकर भूमि का स्थल निरीक्षण,सीमांकन एवं चिन्हांकन किया गया,तत्पश्चात न्यायालय के निर्देशानुसार डिग्रीधारी पक्ष को विधिवत रूप से भूमि का कब्जा दिलाया गया, पूरी प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा,पुलिस एवं प्रशासन की सतर्कता से सम्पूर्ण कार्यवाही शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से पूरी हुई। किसी प्रकार की अप्रिय घटना या विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई,स्थल निरीक्षण उपरांत अधिकारियों द्वारा अपनी प्रतिवेदन रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत की गई,इस कार्रवाई में राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन एवं न्यायालय के अधिकारियों की सक्रिय भूमिका प्रशंसनीय रही,ग्राम बांसापारा में संपन्न हुई यह कार्यवाही न्यायालय के आदेशों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता, तत्परता एवं न्यायिक व्यवस्था के प्रति सम्मान का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया कि न्यायालय के आदेशों का पालन हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाएगा तथा न्याय पाने के अधिकार की रक्षा प्रशासन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी से करेगा,इस प्रकार, न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप डिग्रीधारी पक्ष को भूमि का विधिवत कब्जा दिलाकर न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा एवं विधि शासन की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया गया।

# नशे में धुत युवक ने महिला को मारी जोरदार टक्कर

## 108 और पुलिस विभाग की लापरवाही उजागर,पत्रकार और समाजसेवी की तत्परता से बची दो ज़िंदगियाँ

-संवाददाता-

कुसमी,12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी मेन रोड बोलबम ऑटो के सामने मंगलवार को शाम एक बड़ा हादसा उस समय हो गया। जब एक नशे में धुत युवक ने तेज रफ्तार बाइक चलाते हुए सड़क किनारे एक बुजुर्ग महिला जा रही थी। जिसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, वहीं बाइक सवार युवक को भी चेहरे, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। आपको बता दे कि युवक नशे में धुत तो था ही, और महुआ (हड़िया) बाइक पर रख कर बेखौफ चल रहा था। और न युवक के पास गाड़ी का दस्तावेज था और न ही लाइसेंस थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ तो जुटी,लेकिन किसी ने भी घायल महिला या युवक की मदद करने की पहल नहीं की। दोनों दर्द से तड़पते रहे। इस बीच संयोग से वहां से गुजर रहे स्थानीय पत्रकार सद्दाम खान व जसीम खान ने स्थिति को समझते हुए तत्काल स्वास्थ्य विभाग की 108 एंबुलेंस सेवा और थाना कुसमी पुलिस को सूचना दी,परंतु दोनों विभागों की ओर से कोई तत्पर प्रतिक्रिया नहीं मिली। घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर तत्काल पहुंचे कुसमी के समाजसेवी मोहम्मद शमीम ने बिना समय गँवाए निजी वाहन की व्यवस्था कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी पहुँचाया। वहाँ दोनों का प्राथमिक उपचार कराया गया। घायल युवक की पहचान राहुल नगेसिया पिता त्रिकन नगेसिया,18 वर्ष ग्राम सामरी कुंदाग का रहने वाला रूप में हुई है। वहीं घायल बुजुर्ग महिला नगर कुसमी की अरुण दत्ती उम्र 70 वर्ष जो कि कुसमी में मुरहा बेचकर जीवनयापन करती हैं, जो फिलहाल गंभीर चोटों से जूझ रही हैं। अस्पताल पहुँचने के बाद चिकित्सकों ने तुरंत उपचार शुरू किया और परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया। बाद में थाना कुसमी से कर्मचारी भी अस्पताल पहुँचे और घटना का मुलाहजा (निरीक्षण) किया। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन इतनी लापरवाह क्यों हो गई है कि घटना की सूचना मिलने के बाद भी न तो 108 एंबुलेंस मौके पर पहुँची,न ही पुलिस की तत्काल मदद मिली। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर में नशे की लत युवाओं में खतरनाक रूप से बढ़ रही है, और संबंधित विभाग इस पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। परिणामस्वरूप ऐसी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से माँग की है कि नशे में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा 108 एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पत्रकार और समाजसेवी व मदद के लिए सामने आए भाजपा नेता दिलीप गुप्ता ने की मानवीय संवेदनशीलता ने इस बार दो लोगों की जान बचा ली।

**खैरी जलाशय लबालब, पर नहरों की जर्जर हालत से किसानों को नहीं मिल रहा पानी... विभाग का जवाब, 'बजट नहीं'**

**विगत 3 वर्षों से किसानों को नहीं मिल रहा सिंचाई के लिए पानी**

**सुशासन तिहार के अलावा जिला कलेक्टर और विधायक को भी ज्ञापन देने का नहीं हुआ है लाभ**

**विभागीय अधिकारियों का कहना,बजट के अभाव में मरम्मत कार्य रुका**

**खरीफ की फसल बोंए या नहीं,संशय में किसान**

# नहरों की मरम्मत के लिए छिंदिया उपसरपंच ने किसानों के साथ दिया ज्ञापन

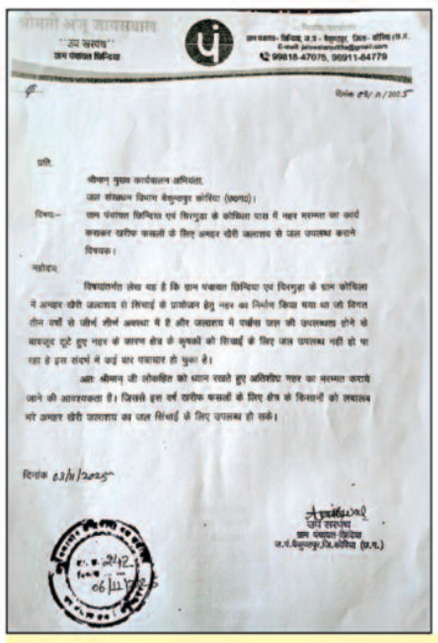

-रवि सिंह-

**बैकुंठपुर,12 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।**

क्षेत्र में बीते वर्षों से अच्छी बारिश के कारण जलाशय और बांध लबालब हैं,लेकिन किसानों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, खैरी जलाशय से निकलने वाली नहरें जर्जर होने के कारण पिछले तीन वर्षों से किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा,जिससे क्षेत्र के किसान खरीफ फसलों को लेकर संशय में हैं।

पिछले कुछ वर्षों से क्षेत्र में अच्छी वर्षा होने के कारण कोरिया जिले के बांध और जलाशय तो लबालब भर रहे हैं, परंतु नहरों की जर्जर स्थिति के कारण जलाशयों और बांध में एकत्रित पानी का लाभ किसानों को सिंचाई के लिए उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के किसान सिंचित जमीन होने के बावजूद केवल प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर हैं और खरीफ फसलों का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित

अमहर खैरी जलाशय,जो क्षेत्र के चार पांच पंचायतों के किसानों के लिए खरीफ फसलों हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध दशकों से करता रहा है,3 वर्षों से जलाशय में पर्याप्त पानी होने के बावजूद क्षेत्र के किसानों का इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसका एकमात्र कारण है, वर्षों पूर्व निर्मित हुए नहरों की जर्जर स्थिति। विगत कई वर्षों से नहरों की माकुल मरम्मत नहीं की गई है, जिसके कारण नहर के पाट या तो टूट गए हैं, या जगह-जगह पर उनमें लीकेज की समस्या बनी हुई है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ित ग्राम पंचायत छिंदिया के किसान हैं, जिन्हें पिछले तीन वर्षों से जलाशय में पर्याप्त पानी होने के बावजूद फसलों के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

### जनता की उम्मीद प्रशासन से...

ग्रामीणों का कहना है कि वे अब उम्मीद केवल जिला प्रशासन से ही लगाए बैठे हैं। उनका कहना है कि यदि आने वाले दिनों में नहरों की मरम्मत नहीं होती, तो खरीफ उत्पादन में भारी गिरावट आएगी और किसान कर्ज में डूब सकते हैं।

### ज्ञापन और गुहार का सिलसिला जारी

किसानों की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत छिंदिया की उप सरपंच श्रीमती अंजू जायसवाल ने नहरों की मरम्मत के लिए कई बार अधिकारियों को आवेदन दिया, उन्होंने यह मुद्दा सुशासन तिहार के दौरान भी उठाया, साथ ही जिला कलेक्टर और क्षेत्रीय विधायक को भी ज्ञापन सौंपा, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी ना कोई निरीक्षण हुआ, ना ही मरम्मत कार्य प्रारंभ। उपसरपंच अंजू जायसवाल ने कहा तीन साल से किसान सिर्फ आश्वासन सुन रहे हैं। जलाशय में पानी भरा है, लेकिन नहरों के टूटे पाटों से एक बूंद भी खेतों तक नहीं पहुंच रही।

### खरीफ फसल पर संकट, 'सिंचित भूमि पर भी वर्षा पर निर्भर किसान'

बैकुंठपुर मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर अमहर-खैरी जलाशय दशकों से क्षेत्र के चार-पांच पंचायतों के किसानों की सिंचाई का प्रमुख स्रोत रहा है, परंतु अब स्थिति यह है कि जलाशय में पर्याप्त पानी होने के बावजूद नहरों की खराब स्थिति के कारण किसानों को एक बूंद पानी नहीं मिल रहा, नहरों के पाट टूट चुके हैं, जगह-जगह लीकेज हैं और कई स्थानों पर नालियां जाम हैं, ग्राम पंचायत छिंदिया के किसान सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्हें लगातार तीसरे वर्ष भी जल की आपूर्ति नहीं मिल सकी है।

### अधिकारियों ने बजट की कमी बताई...

किसानों की समस्या को लेकर जब उपसरपंच ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. निराला से मुलाकात की,तो उन्होंने बजट की अनुपलब्धता को वजह बताया, अधिकारी ने बताया कि नहरों की मरम्मत के लिए लगभग ?3 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, जबकि पुनर्निर्माण के लिए ?8 करोड़ का अलग प्रस्ताव लंबित है,अधिकारी का कहना है वर्तमान में मनरेगा से भी धनराशि उपलब्ध नहीं है। जैसे ही बजट आवंटित होता है, मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी।

### किसानों में असमंजस

अमहर-खैरी जलाशय के आसपास के किसानों के सामने अब बड़ा सवाल है ÷खरीफ फसल बोएं या नहीं? क्योंकि यदि सिंचाई नहरों से पानी नहीं मिला, तो पूरी लागत डूब जाएगी, किसान प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहने को मजबूर हैं, जबकि उनकी भूमि तकनीकी रूप से सिंचित क्षेत्र में दर्ज है, एक किसान ने कहा हमारे खेतों के पास से नहर गुजरती है, पर उसमें अब सिर्फ घास उगती है, पानी नहीं।

## चिरमिरी में नाली के गंदे पानी को साफ करने में लगे एसटीपी प्लांट पूर्णतः फ्लॉप:डोमरु रेड्डी

**कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जनदर्शन में कलेक्टर से की मुलाकात,12 करोड़ की योजना को बताया 'फर्जीवाड़ा'**

-संवाददाता-

**चिरमिरी,12 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।** पर्यावरण संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद चिरमिरी में स्थापित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) अब फ्लॉप प्रोजेक्ट साबित हो रहे हैं,पूर्व महापौर एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष के. डोमरु रेड्डी ने मंगलवार को कांग्रेस नेताओं के साथ जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर आरोप लगाया कि एसईसीएल प्रबंधन द्वारा चिरमिरी क्षेत्र में करोड़ों की योजनाओं में खुली लूट मचाई जा रही है।

**12 करोड़ का 'सफेद हाथी' बना ट्रीटमेंट प्लांट...**

जानकारी के अनुसार, गोदरीपारा,हल्दीबाड़ी के एनसीपीएच कॉलरी और चिरमिरी कॉलरी बरतुंगा के कोठारी क्षेत्र में नालियों से निकलने वाले गंदे पानी को ट्रीटमेंट कर साफ करने हेतु लगभग 12 करोड़ की लागत से तीन एसबीआर सिस्टम स्थापित किए गए थे,परंतु आज स्थिति यह है कि तीनों प्लांट पूरी तरह निष्क्रिय हैं, और इनमें से एक भी कॉलोनी का गंदा पानी इनसे होकर नहीं गुजरता। पूर्व महापौर रेड्डी ने कहा एसईसीएल ने इस योजना में जनता के टैक्स का पैसा पानी की तरह बहा दिया। प्लांट चालू दिखाने के लिए नालियों का नहीं, बल्कि बोरिंग के साफ पानी का कृत्रिम बहाव दिखाया जा रहा है।

**कागजों में 'क्लीन वाटर',जमीन पर गंदगी...**

एनजीटी के सख्त निर्देशों के बाद पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर बनाई गई यह योजना कागजों में तो 'क्लीन वाटर प्रोजेक्ट' दिखती है, लेकिन हकीकत में यह सिर्फ कागजी खानापूर्ति साबित हो रही है, नालियों का कनेक्शन प्लांट से न जुड़ने के कारण एक लीटर भी गंदा पानी फिल्टर नहीं होता, और जो प्लांट प्रदूषण नियंत्रण के लिए बनाए गए थे, वे अब सिर्फ दिखावटी ढांचा बनकर खड़े हैं।

**भुगतान पहले,काम अधूरा...**

रेड्डी ने आरोप लगाया कि अधूरे काम के बावजूद ठेकेदार को भुगतान कर दिया गया,और अब मेंटेनेंस के नाम पर दोबारा राशि जारी की जा रही है। इसके अलावा, निर्माण एजेंसी द्वारा एसईसीएल कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की बात अनुबंध में दर्ज थी, लेकिन उस दिशा में भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। कंपनी ने सिर्फ कागजों में रिपोर्ट बनाई, जमीनी स्तर पर कुछ नहीं किया। अब समय आ गया है कि इस फर्जीवाड़े की जांच उच्च स्तरीय समिति से कराई जाए।

**जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात...**

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जनदर्शन के दौरान जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले की शिकायत की और एसईसीएल पर धोखाधड़ी,भ्रष्टाचार और जनता से छल का आरोप लगाया।

## दो तहसीलदारों से युवको ने की मारपीट

-संवाददाता-

**कोरबा,12 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।**

पश्चिम कुसमुंडा थाना क्षेत्र में 6 युवकों ने 2 तहसीलदारों को जमकर पीटा। खून से शर्ट लाल हो गई है। बताया जा रहा है कि तहसीलदारों के वाहन चालक से विवाद के बाद पिटाई की गयी है। दोनों तहसीलदार सैलून गए थे, तभी विवाद हुआ। जानकारी के अनुसार हरदीबाजार तहसीलदार और दीपका तहसीलदार से मारपीट की गई है। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों का इलाज नजदीकी चिकित्सालय में चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने 4 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है।

दीपका तहसीलदार और हरदीबाजार तहसीलदार को बताया गया था कि आदर्श नगर स्थित उक्त ब्यूटी पार्लर में नस और हाथ-पैर दर्द के लिए अच्छी मालिश की जाती है। इसके बाद मंगलवार रात करीब 9 से 10 बजे के बीच दोनों तहसीलदार अपनी अलग-अलग वाहन से पार्लर पहुंचे। इसी दौरान कुछ युवक आए और नशे में वाहन चालक से पार्किंग को लेकर विवाद करने लगे। इस दौरान विवाद बढ़ने लगा तो दोनों तहसीलदार ब्यूटी पार्लर से बाहर आए। तहसीलदारों ने उन युवकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति और बिगड़ गई। समझाइश के दौरान युवकों ने दोनों तहसीलदारों को पीट दिया। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के दौरान शर्ट खून से लाल हो गई। तहसीलदारों को निजी चिकित्सालयो में भर्ती कराया गया। मारपीट के दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। तहसीलदारों को घायल हालत में निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहीं वारदात की सूचना मिलते ही कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज सिंह तिवारी तत्काल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज सिंह तिवारी ने बताया कि वारदात के तुरंत बाद 4 युवकों को हिरासत में लिया गया है। मामले में 307, डकैती सहित अन्य धारा लगाई गई है। तहसीलदारों से मारपीट को लेकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर ली है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

**कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा)**
**जिला-सरगुजा (छ0ग0)**

फोन एवं फैक्स नं.07774-224332,ई मेल:mining.surguja@gmail.com

क्रमांक/2001/खनिज/खलि.2/ रेत/2025अम्बिकापुर, दिनांक 31.10.2025

**निविदा आमंत्रण सूचना**

**गौण खनिज साधारण रेत उत्खननपट्टा खदान आबंटन हेतु इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन)**

सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सरगुजा द्वारा छ.ग. गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के नियम - 7 के तहत् इलेक्ट्रॉनिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से रेत खदान हर्रामार, ग्राम पंचायत हर्रामार तहसील मैनपाट को आबंटन किया जाना है, जिस हेतु आर्हता प्राप्त बोलीदार इलेक्ट्रानिक- नीलामी ( रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है ।

इलेक्ट्रॉनिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु तकनीकी एवं वित्तीय बोली 07 दिवस, आरंभिक तिथि दिनांक 24.11.2025 (10.00 AM) से अंतिम तिथि 30.11.2025 (5.30 PM) तक ऑनलाईन MSTC के पोर्टल https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mmb/sandcg/inde&.jsp के माध्यम से स्वीकार की जावेगी । निविदा के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी MSTC पोर्टल, खनिज साधन विभाग की वेबसाईट https://chhattisgarhmines.gov.in/ जिला कार्यालय की वेबसाईट तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सरगुजा (छ.ग.) एवं संबंधित ग्राम पंचायत/ जनपद पंचायत/ जिला पंचायत भवन के सूचना पटल में अवलोकन कर प्राप्त कर सकता है ।

जी नंबर-252604638/2

कलेक्टर
जिला - सरगुजा (छ0ग0)

**कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग,नवा रायपुर,**
**अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**
**Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

| स.क्र | सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक | कार्य का नाम | कार्य का अनुमानित लागत रूपये लाख में |
|---|---|---|---|
| 1 | 178428 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला बेमेतरा के खेड़ा जुनवानी मार्ग लंबाई 3.75 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य । | 368.30 |
| 2 | 178429 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला राजनांदगांव के विकासखण्ड डोंगरगढ़ के छीपा से बड़े कुसमी पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य | 346.42 |
| 3 | 178467 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | मेनरोड से डूमरसिंघा तक पहुंच मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 224.41 |
| 4 | 178474 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | रैबो से आमबोराई (उडीसा सीमा तक) मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 333.96 |
| 5 | 178476 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला रायपुर के तिवरैया रैता किरना मार्ग के कि.मी. 1,2,3,5,6,7,8 एवं 11 = 8.00 कि.मी. का मजबूतीकरण निर्माण कार्य,पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य (विधानसभा संभाग रायपुर ) । | 1244.57 |
| 6 | 178632 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक लंबाई 2.84 कि.मी. में 2 लेन सी. सी. मार्ग का निर्माण कार्य,जमा मद । | 2598.47 |
| 7 | 178648 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला सरगुजा के श्री अग्रसेन गौशाला रोड़ चठिरमा से मेण्ड्राखुर्द तक मार्ग लं. 2.55 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 281.90 |
| 8 | 178711 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला नारायणपुर पल्ली- छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग के कि.मी. 13 से 22 = 10.00 कि.मी. में सीमेंट कांक्रीट, मजबूतीकरण सड़क / पुलिया कार्य । | 2802.05 |
| 9 | 178667 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला नारायणपुर पल्ली- छोटेडोंगर - ओरछा मार्ग के कि.मी. 23 से 31 = 9.00 कि.मी. में सीमेंट कांक्रीट, सड़क / पुलिया मजबूतीकरण कार्य | 2600.41 |
| 10 | 178690 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला रायपुर के टाटीबंध, जरवाय हीरापुर, सरोना, कोटा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मार्गों का डामरीकरण एवं कांक्रीटीकरण लंबाई 6.745 कि.मी. का निर्माण कार्य । संभाग क्रमांक 1 रायपुर । | 447.52 |
| 11 | 178692 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला रायपुर के चंदखुरी जावा मोहदी मार्ग का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित । लंबाई 5.50 कि.मी. (संभाग क-1 रायपुर ) । | 1334.14 |
| 12 | 178703 द्वितीय आमंत्रण 03.11.2025 | जिला बस्तर के चेराकुर से कोलेबेड़ा मार्ग के लंबाई 4.80 कि.मी. का पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य । | 464.98 |
| 13 | 178715 प्रथम आमंत्रण 03.11.2025 | जिला दन्तेवाड़ा के पालनार - फूलपाड़ - जूनापारा मार्ग लंबाई 4.50 कि. मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, शेष कार्य । | 226.05 |
| 14 | 178716 द्वितीय आमंत्रण 03.11.2025 | जिला रायगढ़ के रायमेर - ससकोबा मार्ग पर माण्ड नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । शेष कार्य । | 560.13 |
| 15 | 178822 द्वितीय आमंत्रण 06.11.2025 | कोलयारी डी 3 (पिलारी डी 3) केनाल रोड से हरदीबांध मेन रोड तक मार्ग लंबाई 2.30 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 251.79 |
| 16 | 178823 द्वितीय आमंत्रण 06.11.2025 | पक्की सड़क का निर्माण हिरींआमा से बदरागढ़ मार्ग लंबाई 7.00 कि.मी. द्वितीय आमंत्रण वास्तविक लंबाई 6.00 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य,जमा मद । | 667.38 |
| 17 | 178827 द्वितीय आमंत्रण 06.11.2025 | विकासखण्ड पोडीउपरोडा के ग्राम पाथा से खैरबहरी धनुहारपारा लंबाई 4.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 1.80 कि.मी. का निर्माण कार्य, जमा मद । | 209.17 |

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 12, सं.क्र. 14 दिनांक 20.11.2025, सं.क. 15 से सं.क्र. 17 दिनांक 24.11.2025 निर्धारित है । एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 25.11.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

जी नंबर-252604661/6

मुख्य अभियंता ,
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ,कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,नवा रायपुर, अटल नगर

**न्यायालयतहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

रा0प्र0क्र0/ब-121/2024
सूरजपुर दिनांक-07/11/2025

**ईश्तहार**

आवेदक/आवेदिका का नाम निलेश्वर कुमार शुक्ला आ. भोला प्रसाद शुक्ला जाति ब्राहमण निवासी सूरजपुर प.ह.न. 11 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने माता स्व. इन्द्र कली शुक्ला मृत्यु/जन्म दिनांक 06/01/25 का मृत्यु / जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 25/11/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 7/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर छ0ग0

**न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

रा0प्र0क्र0/ब-121/ वर्ष
ग्राम- गंगौटी प.ह.न. 07

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमेश्वर गुप्ता पिता रामधन जाति बनिया निवासी ग्राम गंगौटी प.ह.न.07 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री स्व0 रामधन का जन्म/मृत्यु दिनांक 9/3/1997 को ग्राम गंगौटी में हुई है। अज्ञानतावश जन्म/मृत्यु पंजीयन नही करा पाया पुत्र/पुत्री स्व0 रामधन का जन्म/मृत्यु जन्म/मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत गंगोटी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 26/11025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील

कार्यपालन दण्डाधिकारी भैयाथान
जिला- सूरजपुर छ0ग0

**न्यायालय तहसीलदार पटना, जिला-कोरिया (छ0ग0)**

रा0प्र0क्र0 अ-6/ 2024-25

**ईश्तहार**

एतद्व द्वारा समस्त ग्रामीण जनता नगर पंचायत पटना को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चीनी बाई उर्फ बिगनी बाई पिता मोहन जाति रजवार निवासी ग्राम महुआपारा खरवत तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया गया है। कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम पटना स्थित भूमि ख0नं0776/5,776/7,776/9रकबा क्रमशः 0.1090, 0.0650, 0.0930 हे0 स्थित है । जिस पर आवेदिका अपने स्वामित्व के पश्चात् निर्विरोध रूप से उक्त भूमि का उपयोग एव उपभोग करती चली आ रही है। आवेदिका एक वृद्ध महिला है जिसे चीनी बाई एवं बिगनी बाई दो पृथक-पृथक नाम से पुकारा एवं जाना पहचाना जाता था। वर्ष 2013 में जब शासन योजनान्तर्गत आधार कार्ड बन रहा था तब आवेदिका अपना नाम बिगनी बाई दर्ज करा दी जिसके अनुसार आधार कार्ड में भूमियों विगत कई वर्षों से आवेदिका के स्वामित्व में रही है। जिसके राजस्व अभिलेखो में आवेदिका का पुकारू चीनी बाई पिता मोहन है। आवेदिका के उक्त भूमि में आवेदिका का पुकारू नाम दर्ज होने से कृषि से संबंधित धान विक्रय खाद बीच ऋण लेने में असमर्थ है। ऐसी स्थिति में उक्त भूमि के राजस्व रिकार्ड दर्ज पुकारू नाम के साथ साथ आवेदिका का वास्तविक नाम भी दर्ज किया जाना आवश्यक है। आवेदिका अपने आवेदन पत्र के साथ संबंधित भूमि का खसरा पाँचशाला नक्शा की प्रतिलिपि संलग्न किया गया है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त नाम सुधार करने के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 28/11/2025 तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक12/11 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया ।

सील

तहसीलदार
पटना जिला-कोरिया

**न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202511020700032**

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सनः-2025-26

रामपुर प.ह.न. 00033
पक्षकारों का विवरण -दीपन, देवनारायण
अनावेदक पक्षकार - शकुन्तला,उर्मिला, शकुन्तला,उर्मिला,

**ईश्तहार**

आवेदक दिपनआ0किशुन राम निवासी ग्राम रामपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम रामपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 14 रकबा 0.585 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्व हक त्याग पत्र दिनांक 07.10.2025के माध्यम से नामांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

C M Y K

# जिला अस्पताल बैकुंठपुर में प्रसूता महिला घंटों तड़पती रही

# डॉक्टर ने कहा- 'मैं अभी नहीं आ पाऊंगी'

## परिवार को रात 1 बजे से सुबह तक इंतज़ार,ऑपरेशन न होने पर महिला को ऑटो से प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ा...

कोरिया जिला अस्पताल में अमानवीय लापरवाही,दर्द से तड़पती रही महिला, डॉक्टर नहीं पहुंचे...

सरकारी अस्पताल में फिर दिखी बेरुखी,पूरी रात मरीज तड़पता रहा,ड्यूटी डॉक्टर गायब

जब मानवता शर्मसार हुई, प्रसूता दर्द से तड़पती रही, डॉक्टर ने नहीं दी तवज्जो

डॉक्टर की लापरवाही या सिस्टम की नाकामी?, कोरिया अस्पताल से आई दर्दनाक तस्वीर

सरकारी अस्पताल की लापरवाही से मचा हड़कंप,डॉक्टर पर जांच की मांग तेज

क्या सरकारी डॉक्टरों में अब मानवता खत्म हो चुकी है?

जब डॉक्टरों ने संवेदना खो दी,तब समाज ने विश्वास खो दिया

सरकारी अस्पतालः सेवा धर्म भूलते सफेद कोट वाले

मानवता बनाम मनमर्जी,सरकारी डॉक्टरों की लापरवाही का काला चेहरा?

वेतन पाते हैं सरकार से, पर सेवा करते हैं अपनी सुविधा की?

कोरिया जिला अस्पताल में अमानवीय लापरवाही,दर्द से तड़पती रही महिला, डॉक्टर नहीं पहुंचे...

-रवि सिंह-
कोरिया/बैकुंठपुर सरगुजा, 12 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल बैकुंठपुर में बीती रात एक प्रसूता महिला को गंभीर प्रसव पीड़ा होने के बावजूद समय पर ऑपरेशन नहीं किया गया, जिसके चलते परिवार को जिंदगी के खतरे के बीच महिला को ऑटो में लिटाकर प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ा, मामले ने अस्पताल प्रशासन और ड्यूटी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला अस्पताल कोरिया से एक अमानवीय घटना सामने आई है, जिसने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं,

जानकारी के अनुसार, एक महिला प्रसूता को देर रात तेज प्रसव पीड़ा होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, परिजनों ने पूरी रात इलाज के लिए डॉक्टरों से गुहार लगाई, लेकिन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नहीं पहुंचे, परिजन बताते हैं कि मरीज दर्द से तड़पती रही, कई बार नर्सों ने भी डॉक्टर को फोन किया, लेकिन जवाब मिला मैं अभी नहीं आ पाऊंगी÷। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब सरकारी अस्पताल में इस तरह की लापरवाही हुई हो, रात के समय डॉक्टरों का अनुपस्थित रहना अब आम बात हो गई है, सवाल यह है कि जब निजी अस्पतालों में किसी भी समय डॉक्टर उपलब्ध हो जाते हैं, तो सरकारी अस्पतालों में ऐसी अमानवीय देरी क्यों होती है? घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश क ।

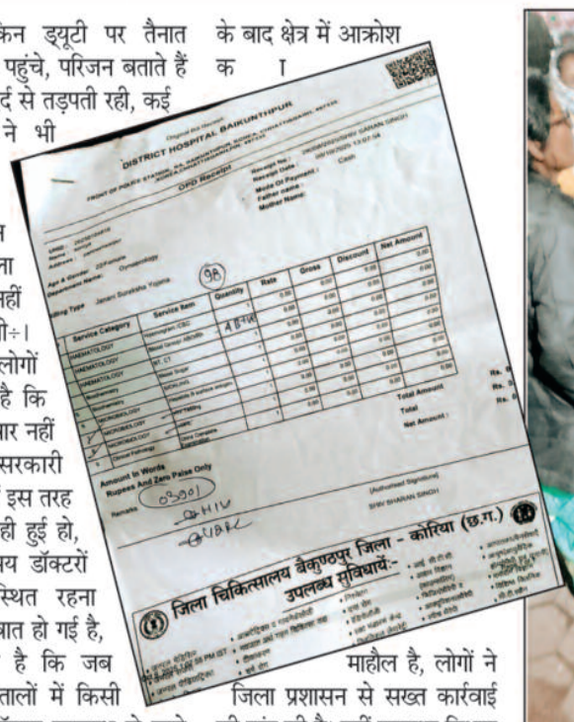


माहौल है, लोगों ने जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच की बात कही है।

### क्या सरकारी डॉक्टरों में अब मानवता नहीं बची?

कोरिया जिले के जिला अस्पताल से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है। रात में एक महिला प्रसूता मरीज दर्द से तड़पती रही,परंतु ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नहीं पहुंचे,परिवारजन पूरी रात गुहार लगाते रहे, लेकिन अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की लापरवाही ने इस घटना को अमानवी बना दिया,यह पहला मामला नहीं है जब सरकारी अस्पतालों की संवेदनहीनता उजागर हुई हो। सवाल यह है कि जब निजी अस्पतालों में डॉक्टर हर समय उपलब्ध रहते हैं,तो सरकारी अस्पतालों में मरीज की तड़प भी डॉक्टरों को क्यों नहीं जगा पाती?

### जिम्मेदारी तय होनी चाहिए...

सरकारी अस्पतालों में नियुक्त डॉक्टरों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनका पहला कर्तव्य मरीज की सेवा है,न कि अपनी सुविधा। इस तरह की घटनाएं जनता के विश्वास को तोड़ती हैं और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की साख पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। सरकार को चाहिए कि ऐसे मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए,लापरवाह डॉक्टरों पर कठोर कार्रवाई की जाए,और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी मरीज की जान लापरवाही से न जाए,यह घटना चेतावनी है कि अगर अब भी सुधार नहीं हुआ, तो सरकारी अस्पतालों पर जनता का भरोसा पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

### रात 1:00 बजे भर्ती,लेकिन सुबह तक नहीं हुई डिलीवरी

परिजनों के अनुसार, महिला को रात करीब 1 बजे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि नॉर्मल डिलीवरी संभव नहीं है,और सी-सेक्शन ऑपरेशन करना आवश्यक है,इसके बावजूद, सुबह से दोपहर और फिर शाम तक ऑपरेशन नहीं किया गया।

### ड्यूटी डॉक्टर ने सीनियर डॉक्टर को फोन किया,मिला जवाब...'मैं अभी अस्पताल नहीं आ पाऊंगी'

परिवार के अनुसार,जब ड्यूटी डॉक्टर ने सीनियर गॉयनेकोलॉजीस्ट डॉक्टर (बंसारिया मैडम) को महिला की स्थिति बताई,तो उनका जवाब था- 'मैं अभी अस्पताल नहीं आ पाऊंगी...आज मैं कोई ऑपरेशन नहीं कर पाऊंगी।'यह सुनकर परिवार हैरान और परेशान रह गया,उधर,प्रसूता दर्द से चीखती-चिल्लाती रही,लेकिन ऑपरेशन थिएटर तक ले जाने की प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ी।

### मजबूरी में ऑटो से निजी अस्पताल ले जाना पड़ा

जब दर्द अत्यधिक बढ़ गया और स्थिति गंभीर हो गई,तो परिजनों ने महिला को ऑटो में लिटाकर शर्मा अस्पताल पहुंचाया,रास्ते में महिला की हालत बेहद नाजुक थी,अगर रास्ते में मां या बच्चे को कुछ हो जाता तो उसका जिम्मेदार कौन? परिवार का सवाल यहीं से उठता है।

### यह केवल एक मरीज की पीड़ा नहीं, व्यवस्था की विफलता है...

जिला अस्पताल को जिले का सबसे बड़ा सरकारी उपचार केंद्र माना जाता है,यदि यहाँ रात में सर्जन ड्यूटी पर नहीं, आपातकालीन ऑपरेशन नहीं हो पा रहा,प्रसूता को सड़क पर भेजा जा रहा, तो यह स्थिति स्वास्थ्य व्यवस्था के ढांचे पर गंभीर सवाल खड़ा करती है।

### परिजनों की मांग...

परिवार ने स्पष्ट कहा है-'यदि मां या बच्चे की जान को खतरा पहुंचता है,तो इसकी जिम्मेदारी जिला अस्पताल प्रशासन की होता,उन्होंने ड्यूटी सिस्टम और जिम्मेदार डॉक्टरों की जांच की मांग की है।

### प्रशासन से बड़े सवाल

- आपातकालीन सी-सेक्शन करने के लिए 24|7 सर्जन उपलब्ध क्यों नहीं?
- जिला अस्पताल में 'ड्यूटी डॉक्टर के आने की मनोदशा' पर व्यवस्था क्यों निर्भर?
- क्यों प्रसूता को ऑटो में ले जाने की नौबत आई? एम्बुलेंस कहाँ थी?
- क्या यह लापरवाही नहीं,बल्कि गंभीर चिकित्सीय लापरवाही है?
- क्या अब सरकारी डॉक्टरों के भीतर से सेवा भाव और संवेदना समाप्त हो गई है?
- क्या उन्हें केवल सरकारी वेतन और आरामदायक पोस्टिंग ही नजर आती है?
- क्या 'मानवता' अब केवल किताबों और शपथ तक सीमित रह गई है?

### परिवार का आरोप

- जिला अस्पताल में कोई आपातकालीन प्रसूति प्रबंधन सिस्टम एक्टिव नहीं था
- किसी ने तत्काल सहायता या निर्णय नहीं लिया
- सी-सेक्शन के लिए डॉक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं थी
- मरीज को खुद प्राइवेट अस्पताल ले जाने की मजबूरी खड़ी कर दी गई

### जिला अस्पताल में महिला मरीज की लापरवाही पर सीएमएचओ ने जांच के दिया आदेश,टीम गठित कर सौंपी जांच जिम्मेदारी

जिला अस्पताल में एक महिला मरीज को दर्द से तड़पने के बाद भी समय पर इलाज न मिलने की खबर पर स्वास्थ्य विभाग ने संज्ञान लिया है,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने इस मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं,जिला अस्पताल में एक महिला प्रसूता को डिलीवरी के लिए भर्ती किया गया था,परंतु डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण उसे देर तक इलाज नहीं मिल पाया,इस खबर के प्रकाशन के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,बैकुंठपुर द्वारा जारी आदेश क्रमांक 4858/शिकायत/2025 में लिखा गया है कि खबर संबंध में जांच प्रतिवेदन तत्काल प्रस्तुत करें ताकि उच्चाधिकारियों को अवगत कर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। इस प्रकरण को प्राथमिकता दी जाए। आदेश में खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना,खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों, डीपीएम (एनएचएम) तथा सहायक ग्रेड-3 स्थानीय कार्यालय को जांच में शामिल किया गया है।

### सीएमएचओ ने मांगी त्वरित रिपोर्ट

पत्र में निर्देश दिया गया है कि जांच प्रतिवेदन शीघ्र प्रस्तुत किया जाए ताकि उच्च अधिकारियों को सूचित कर आगे की कार्रवाई की जा सके,साथ ही यह भी कहा गया है कि जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है।

### विभाग की सक्रियता के बाद उम्मीदें बढ़ीं...

इस जांच आदेश के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि महिला मरीज के साथ हुई लापरवाही की पूरी सच्चाई सामने आएगी, और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों व डॉक्टरों पर कार्रवाई होगी।

# परिवार को बंधक बनाकर की लाखों की लूट

-संवाददाता-
कोरबा,12 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सोनगुड़ा पंचायत के ग्राम तराईडांड बस्ती में विगत रात्रि एक सनसनीखेज डकैती की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार अर्ध रात्रि लगभग 1ः30 बजे हथियारबंद बदमाशों के एक गिरोह ने आतंक फैला ग्राम निवासी शत्रुघ्न दास के घर पर धावा बोल दिया। बताया जा रहा है कि लुटेरों की संख्या दो दर्जन से अधिक थी। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने घर में घुसते ही परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया और उन्हें हथियारों के बल पर धमकाया। भय के माहौल में किसी को विरोध करने का मौका नहीं मिला। इसके बाद लुटेरों ने घर में रखे लगभग ?1.50 लाख नकद और ?10 लाख मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। घटना के दौरान परिवार के सदस्यों ने किसी तरह शोर मचाने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने उन्हें डरा-धमकाकर चुप करा दिया। डकैती के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बालको थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लुटेरों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस ने बताया की आसपास के क्षेत्रों में नाकेबंदी कर संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला संगठित गिरोह की हरकत प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस तकनीकी और मानवीय दोनों आधारों पर जांच कर रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में नाकेबंदी कर संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है। इस घटना से स्थानीय ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों व्याप्त हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द कथित आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की , ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और विश्वास पुनः बहाल हो सके।

## पुलिस अभिरक्षा में मौत निंदनीय,पर बृहस्पति सिंह मानसिक अवसाद में,लगाए गए आरोप निराधार

# कस्टडियल डेथ और बृहस्पति सिंह के बयान पर राजनीति गर्म

## कांग्रेस प्रवक्ता सुनील सिंह का पलटवार

-संवाददाता-
राजपुर, 12 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में दो मुद्दों ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है,चोरी के आरोपी युवक की पुलिस कस्टडी में संदिग्ध मृत्यु,और कांग्रेस के पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह द्वारा लगाए गए आरोप,इन दोनों मुद्दों पर बलरामपुर जिला कांग्रेस प्रवक्ता व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर अध्यक्ष सुनील सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बयान जारी किया,एक ओर पुलिस कस्टडी में मौत के मामले में सत्तापक्ष और प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं,तो दूसरी ओर कांग्रेस के भीतर से उठी आवाजों ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है,दोनों ही मुद्दे आने वाले दिनों में जिला ही नहीं, पूरे संभाग की राजनीति में तूफान का कारण बन सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी,डॉ. बी.एन. द्विवेदी,लघु वनोपज संघ अध्यक्ष लालसाय मिंज,सुनील भगत सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

### कस्टोडियल डेथ पर कांग्रेस प्रवक्ता ने पुलिस को घेरा

सुनील सिंह ने कहा कि पुलिस अभिरक्षा में किसी युवक की मौत घटना का गंभीर और चिंताजनक मामला है, उन्होंने कहा...यह पुलिस प्रशासन और शासन दोनों की विफलता को दर्शाता है,यह बलरामपुर जिले में इस तरह की दूसरी घटना है और पूरे छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, इसकी हम कड़ी निंदा करते हैं,तत्काल निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस यह कहकर मामले को कमजोर नहीं कर सकती कि मृत युवक सिकल सेल से पीड़ित था, यदि वह बीमार था तो उसके इलाज और सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस की ही थी, क्योंकि वह पुलिस कस्टडी में था,किस उपचार की व्यवस्था की गई? किस डॉक्टर ने देखा? क्या मेडिकल रिपोर्ट परिजनों को दी गई? ये सभी बातें स्पष्ट की जानी चाहिए।

### बृहस्पति सिंह पर तीखा हमला

पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह द्वारा कांग्रेस संगठन पर लगाए गए आरोपों पर सुनील सिंह ने सीधा प्रहार किया, उन्होंने कहा...बृहस्पति सिंह कांग्रेस से बहुत कुछ पा चुके हैं, अब वे मानसिक अवसाद, असंतुलन और चर्चा में बने रहने की लालसा के कारण अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं,उनके आरोप निराधार, तथ्यहीन और हास्यास्पद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा उन्हें भाजपा में शामिल होने का निमंत्रण देना यह स्पष्ट करता है कि-'उनकी राजनीतिक दिशा अब स्पष्ट रूप से बदल चुकी है।'

### कांग्रेस महामंत्री जितेंद्र गुप्ता का बयान

कांग्रेस महामंत्री जितेंद्र गुप्ता ने भी बृहस्पति सिंह के आरोपों को खारिज किया,उन्होंने कहा...मैं भी जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदनकर्ता था,लेकिन ऐसा एक भी मामला मेरे सामने नहीं आया कि पैसे की मांग हुई हो, उनका आरोप सिर्फ कुर्सी खोने की पीड़ा और राजनीतिक लालसा का परिणाम है।

CMYK

# 83 के अमिताभ को सताई दोस्त धर्मेंद्र की चिंता

## खुद गाड़ी चलाकर पहुंचे घर,लोग बोले-वीरू के लिए जय आ गया

धर्मेंद्र की हेल्थ को लेकर पूरा बॉलीवुड चिंतित है। आज वो अस्पताल से घर आ गए हैं, ऐसे में उनके जिगरी दोस्त अमिताभ बच्चन उनसे मिलने के लिए घर पहुंचे। गौर करने वाली बात ये है कि वो खुद गाड़ी चलाकर जाते नजर आए। सालों बीत गए, लेकिन पर्दे पर 'जय वीरू' की अमर दोस्ती असल जिंदगी में भी उतनी ही मजबूत बनी हुई है। हाल ही में इस दोस्ती की एक झलक तब देखने को मिली, जब अमिताभ बच्चन अपने करीबी दोस्त धर्मेंद्र से मिलने उनके जुहू स्थित घर पहुंचे। धर्मेंद्र को कुछ दिन पहले स्वास्थ्य समस्याओं के चलते मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डिस्चार्ज होने के कुछ ही घंटे बाद बिग बी ने उनसे मुलाकात की। इसका वीडियो भी सामने आया जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। लोग अमिताभ के याराने की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि ये काबिले तारीफ है कि वो इस उम्र में खुद कार चलाकर पहुंचे।

### अमिताभ बच्चन खुद गाड़ी चलाकर पहुंचे दोस्त से मिलने

जो बात सभी के दिल को छू गई, वह थी अमिताभ का सादगी भरा अंदाज। उन्होंने बिना किसी तामझाम या सुरक्षा काफिले के खुद अपनी कार चलाकर दोस्त के घर पहुंचने का फैसला किया। शाम करीब चार बजे, 83 वर्षीय अमिताभ बच्चन अपनी काले रंग की बीएमडब्ल्यू में जुहू स्थित धर्मेंद्र के निवास पर पहुंचे। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि बिग बी का यह सादा और दिल से किया गया कदम उनकी दोस्ती की गहराई को दर्शाता है।

### सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें अमिताभ बिना किसी दिखावे के बैरिकेड्स पार करते हुए धर्मेंद्र के घर की ओर जाते नजर आ रहे हैं। परिवार की ओर से

निजता बनाए रखने की अपील के बावजूद, अमिताभ की यह निजी मुलाकात दोस्ती के प्रति सम्मान का एक सुंदर उदाहरण बन गई। प्रशंसक बिग बी के इस भावुक कदम की जमकर सराहना कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, वीरू से मिलने जय पहुंच गया। एक और ने लिखा, वीरू जब भी मुश्किल में होगा जय जरूर आएगा।%

### धर्मेंद्र की सेहत में सुधार

बुधवार सुबह, 89 वर्षीय धर्मेंद्र को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सांस लेने में परेशानी के चलते उन्हें कुछ दिन पहले भर्ती कराया गया था। परिवार और डॉक्टरों ने बताया कि अब उनकी हालत स्थिर है और वे घर पर आराम कर रहे हैं। परिवार ने एक बयान जारी करते हुए सभी से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की और कहा, ÷धर्मेंद्र जी आप सबको बहुत प्यार करते हैं।÷ यह वही पंक्ति है, जो अभिनेता अक्सर अपने इंस्टाग्राम वीडियो के अंत में अपने प्रशंसकों से कहते हैं। अमिताभ बच्चन से पहले शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान और गोविंदा जैसे सितारे भी धर्मेंद्र से मिलने अस्पताल पहुंच चुके हैं।

### पांच दशक पुरानी है दोस्ती की कहानी

*अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की दोस्ती लगभग पचास साल पुरानी है। दोनों की जुगलबंदी पहली बार 1975 में ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'चुपके चुपके' में देखने को मिली थी, लेकिन अमर जोड़ी के रूप में उन्हें पहचान 'शोले' ने दिलाई। जय और वीरू के रूप में उनकी ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री बॉलीवुड की सबसे यादगार दोस्तियों में से एक बन गई।*

# 32 साल पुरानी वो फिल्म जिसमें शिल्पा शेट्टी ने पहनी थी बिकनी

**काजोल ने अपनी 32 साल पुरानी फिल्म को याद किया है जिसमें शिल्पा शेट्टी ने पहली बार पर्दे पर बिकनी पहनी थी। इसी फिल्म ने शाहरुख खान को स्टार बनाया था।**

### काजोल का हंसहंसकर हुआ था बुरा हाल, शाहरुख खान को बनाया स्टार

आज से ठीक 32 साल पहले रिलीज हुई फिल्म बाजीगर अपने आप में खास है और लोगों के बीच आज भी पॉपुलर है। इस फिल्म के जरिए शिल्पा शेट्टी ने अपनी फिल्मी सफर शुरू किया था और पहली बार स्क्रीन पर बिकनी भी पहनी थी। जब ये फिल्म रिलीज हुई तो वो 90 का ऐसा दशक था जब बिकनी पहनना उतना सहज नहीं माना जाता था। लेकिन इसी फिल्म ने न केवल शिल्पा शेट्टी को स्टार बनाया था बल्कि शाहरुख खान को भी पहचान दिलाई थी। इस फिल्म में शाहरुख और शिल्पा के साथ काजोल भी अहम किरदार निभाते नजर आई थीं। आज फिल्म ने रिलीज के 32 साल पूरे कर लिए हैं और काजोल ने इसको लेकर खुशी जाहिर की है।

### काजोल को याद आई फिल्म

काजोल ने भी इस फिल्म में अहम किरदार निभाया था और लोगों को अपने रोल से अपना बना लिया था। अब काजोल ने बुधवार को इसकी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,बाजीगर के रिलीज को 32 साल हो गए हैं। एक कहानी,अध्याय और एक यात्रा हमेशा याद की जाएगी। साल 1993 में रिलीज हुई ये फिल्म अब्बास-मस्तान ने डायरेक्ट की थी। इसमें शाहरुख, शिल्पा और काजोल अहम किरदारों में नजर आई थीं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और शाहरुख खान को पहला फिल्म फेयर अवॉर्ड दिलाने वाली भी यही फिल्म थी। ये फिल्म काजोल और शाहरुख खान के करियर में भी काफी खास मानी जात है। क्योंकि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे से 2 साल पहले ये फिल्म रिलीज हुई थी। लोगों को इसकी कहानी दमदार लगी थी और इसमें कॉमेडी का भी जोरदार तड़का देखने को मिला था।

### शिल्पा शेट्टी को बनाया स्टार

खास बात ये है कि इसी फिल्म से शिल्पा शेट्टी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी ने पहली बार पर्दे पर बिकनी पहनी थी। जब काजोल ने शिल्पा को पहली बार बिकनी में देखा तो उनका हंस हंसकर बुरा हाल हो गया था। काजोल ने एक इंटरव्यू में इसका किस्सा सुनाया था कि जब मैंने शिल्पा के पैर देखे तो खूब हंसी आई। हालांकि ये फिल्म हिट होते ही शिल्पा शेट्टी का भी करियर चल निकला और उन्हें काफी किरदार निभाने का मौका मिला। आगे चलकर इस फिल्म के तीनों कलाकार काजोल भी स्टार बनीं,शाहरुख खान सुपरस्टार बने और शिल्पा शेट्टी भी बॉलीवुड पर आज भी राज करती हैं।

# कभी सिम कार्ड बेचता था आलिया-करीना का ये एक्टर

## सेल्स मैन का भी किया काम,बोला-घर में लड़कियों की तरह...

बॉलीवुड में ऐसे कई स्टार हैं, जिन्होंने अपने कड़े संघर्ष, मेहनत और काबिलिय के दम पर बिना किसी गॉडफादर के इंडस्ट्री में पहचान हासिल की है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी से लेकर पंकज त्रिपाठी तक कुछ ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने खुद अपने दम पर इंडस्ट्री में अपने आप को स्थापित किया है। गली बॉय, डार्लिंग्स, जानेजान और दहाड़ जैसी फिल्मों और सीरीज में काम कर चुके विजय वर्मा भी इन्हीं स्टार्स में से हैं। विजय वर्मा ने हाल ही में रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट चैप्टर 2 में अपनी जिंदगी के कई पहलुओं पर बात की और बताया कि कैसे वह एंग्जाइटी, डिप्रेशन तक का सामना कर चुके हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी के हर पहलू पर खुलकर बात की।

### कई कोर्स करके पकड़ी एक्टिंग की राह

विजय वर्मा ने रिया चक्रवर्ती से बातचीत में बताया कि उन्होंने एक्टिंग में आने से पहले कभी सिम कार्ड बेचे तो कभी कॉल सेंटर में नौकरी की। उन्होंने कहा- मैंने 5 अलग-अलग तरह के कोर्स किए। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग से लेकर इवेंट मैनेजमेंट तक का कोर्स किया। बी कॉम भी किया और उसके बाद फिर कई अलग-अलग चीजें कीं। मैंने 3 महीने कॉल सेंटर में ट्रेनिंग ली, फिर वो नौकरी छोड़ दी। इसके बाद मोबाइल कंपनी के लिए काम किया। सिम कार्ड बेचे, लेकिन वो भी क्लिक नहीं किया। मैं इन सब के लिए करीब 30-40 किलोमीटर बाइक चलाता था, चाहे कैसा ही मौसम क्यों ना हो।

### जब बॉस से बोले- एक दिन आपके ब्रांड का एम्बेस्डर बनूंगा

मैं एक मारवाड़ी परिवार से हूं,मेरी परवरिश किसी लड़की की तरह हुई है। बहुत ही नजाकत से पाला गया है। इसलिए जब मैं ये सब कर रहा था तो बहुत मुश्किल लग रहा था। मेरे ऊपर 4 सेल्स का टारगेट था और मैं तीन ही पूरे कर पाता था। जब वापस आता तो बॉस पूछता, चौथी सेल क्यों नहीं हुई? सवाल सुनकर मुझे बहुत बुरा लगता था। एक दिन मैंने उनसे कहा, एक दिन आपके शोरूम में अपनी फोटो लगाऊंगा। इस ब्रांड का एम्बेस्डर बनूंगा और आज हूं।

# खेल समाचार

## आशी चौकसे और अंजुम मौदगिल 3पी फाइनल से चूकीं

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** अनुभवी आशी चौकसे और अंजुम मौदगिल आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल 2025 के क्वालीफिकेशन में 15वें और 17वें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) के फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं, जबकि नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड काहिरा, मिस्र में रेंज ओलंपिक शो में चैंपियन बनीं। स्विट्जरलैंड की 17 वर्षीय एमिली जैगी ने रजत और ग्रेट ब्रिटेन की सियोनैड मैकिन्टोश ने कांस्य पदक जीता। भारत ने तीन स्वर्ण, पाँच रजत और तीन कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में चीन के बाद अपना दूसरा स्थान बनाए रखा, जबकि चीन के पास आठ स्वर्ण और कुल 15 पदक हैं और वह पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। आशी क्वालीफिकेशन में 588-26× के अंतिम स्कोर के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय निशानेबाज रहीं,जो आठवें स्थान पर रहीं जापान की मिसाकी नोबाता से केवल एक अंक कम था। अंजुम ने 587-23× स्कोर के साथ 17वें स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में शामिल तीसरी भारतीय ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा 580-28× स्कोर के साथ 48वें स्थान पर रहीं। इस सीज़न में शानदार फॉर्म में चल रही डुएस्टैड ने फाइनल में 465.8 के स्कोर के साथ अपना दूसरा व्यक्तिगत विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। एमिली जैगी ने 465.3 के स्कोर के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए रजत पदक जीता, जबकि उनकी बहन विवियन जॉय जैगी पदक से कुछ ही दूरी पर चौथे स्थान पर रहीं। एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रही मैकिन्टोश ने 454.6 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता। मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत कल 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल के प्रिसिशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

## दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

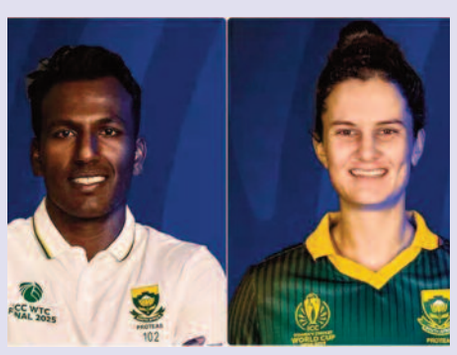

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बुधवार को अक्टूबर महीने के सर्वश्रेष्ठ महिला और पुरुष क्रिकेटरों के नामों की घोषणा की। दिलचस्प बात यह है कि इस बार दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने दो पुरस्कार जीते। भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी वनडे विश्व कप में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली एले वोल्वार्ड ने प्रतिष्ठित आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। दक्षिण अफ्रीकी स्पिन गेंदबाज सेनुरन मुथुसामी को आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ़ द मंथ का पुरस्कार मिला।

## रोहित 7 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

### कोहली के खेलने पर सस्पेंस बीसीसीआई ने कहा...टीम में रहना है तो घरेलू क्रिकेट खेलो

**नई दिल्ली,12 नवम्बर 2025।** रोहित शर्मा 7 साल बाद विजय हजार ट्रॉफी खेलेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2018 में टूर्नामेंट खेला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को टूर्नामेंट में अपनी उपलब्धता की जानकारी दी है। हालांकि विराट कोहली ने अभी तक दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन को इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने 2010 में विजय हजारे ट्रॉफी खेली थी।

इससे पहले बीसीसीआई ने रोहित शर्मा और विराट कोहली से कहा था कि वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा। विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी।

### साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच विजय हजारे ट्रॉफी

विजय हजारे ट्रॉफी डोमेस्टिक कैलेंडर में होने वाला एकमात्र वनडे टूर्नामेंट हैं। इस टूर्नामेंट को 3 से 9 दिसंबर के बीच होने वाली भारत-साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज और 11 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के बीच रखा गया है।

### ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की

### पिछले सीजन रोहित-कोहली ने रणजी खेला था

2024-25 के रणजी सीजन में रोहित और कोहली ने एक-एक रणजी मैच खेला था। जनवरी में कोहली 12 साल बाद दिल्ली के लिए खेले थे, जबकि रोहित ने 10 साल बाद मुंबई की ओर से मैच खेला था। उस वक्त रोहित ने कहा था-2019 से जब से मैं नियमित टेस्ट क्रिकेट खेल रहा हूं, समय बहुत कम मिलता है। जब सालभर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट चलता रहता है, तो खिलाड़ी को खुद को तरोताजा रखने के लिए कुछ वक्त चाहिए होता है। लेकिन अब हमने इस बात पर ध्यान दिया है और कोई भी खिलाड़ी इसे हल्के में नहीं लेता।

38 साल के रोहित और 37 साल के कोहली ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में हुई वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। दोनों ने लगभग सात महीने बाद भारतीय टीम में वापसी की थी। सीरीज के आखिरी मैच में कोहली-रोहित ने नाबाद 168 रन जोड़े के भारत को जीत दिलाई थी।

रोहित सीरीज में 202 रन बनाकर टॉप स्कोरर थे। एक फिफ्टी और एक शतक भी लगाया था। वहीं कोहली ने शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद वापसी करते हुए नाबाद 87 रन बनाए थे।

### रोहित-कोहली दोनों फॉर्मेट से संन्यास ले चुके

रोहित और कोहली ने 2024 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे (2024-25) के बाद दोनों टेस्ट क्रिकेट से भी रिटायर हुए थे।

### रोहित सैयद मुश्ताक अली भी खेल सकते हैं...

रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित 26 नवंबर से शुरू होने वाले सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट के लिए भी उपलब्ध हो सकते हैं। वे मुंबई के शरद पवार इंडोर अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। बोर्ड को उम्मीद है कि कोहली, जो इन दिनों लंदन में रहते हैं, वे भी घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे।

### प्लेयर्स को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए

चयन समिति के चेयरमैन अजीत अगरकर ने पिछले महीने कहा था- हमने एक-दो साल पहले ही साफ कर दिया था कि जब भी खिलाड़ी उपलब्ध हों, उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। यही तरीका है जिससे वे खुद को फिट और तैयार रख सकते हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम से समय मिलता है, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में उतरना चाहिए।

### वर्ल्ड कप 2027 को लेकर अगरकर ने कहा था...

कोहली और रोहित का कोई टेस्ट नहीं ले सकता। उन्हें जो कुछ हासिल करना था,वो कर चुके हैं। दो साल बाद क्या स्थिति होगी,यह कोई नहीं जानता। इसलिए सिर्फ इन दोनों की बात क्यों करें, कुछ युवा खिलाड़ी भी तब तक टीम में जगह बना सकते हैं।

इन दोनों को हर मैच में परखने की जरूरत नहीं है। इसलिए यह तय नहीं होगा कि एक सीरीज में रन न बनाने पर वे बाहर होंगे या तीन शतक लगाने पर वर्ल्ड कप खेलेंगे। अभी काफी समय है, टीम कैसे आगे बढ़ती है, उस पर सब तय होगा।

## नीतीश कुमार रेड्डी टेस्ट स्क्वाड से रिलीज

**कोलकाता ,12 नवम्बर 2025।** भारत के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच नहीं खेलेंगे। उन्हें मैच शुरू होने से दो दिन पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है। अब वह दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में शुरू होने वाली अनाधिकारिक वनडे सीरीज में इंडिया ए के लिए खेलेंगे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोएशे ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि रेड्डी की जगह ध्रुव जुरेल पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे।

### नीतीश का फॉर्म अच्छा नहीं

22 साल के नीतीश कुमार रेड्डी का हालिय फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट में वह कोई विकेट नहीं ले पाए। बल्लेबाजी में 43 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें दो वनडे मैच खेलने को मिला। इसमें उन्होंने कुल 27 रन बनाए और गेंदबाजी में कोई सफलता नहीं मिली। स्थानीय टीम मैनेजर ने कहा, 'ईडन में अभ्यास के बाद वह राजकोट जाने के लिए हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए।'

### तीन मैचों की सीरीज होगी

इंडिया ए और साउथ अफ्रीका ए के बीच तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज खेली जाएगी। 13 से 19 नवंबर तक राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में इस सीरीज के मुकाबले होंगे। इंडिया ए की टीम तिलक वर्मा की कप्तानी में उतरेगी। रुतुराज गायकवाड़ के पास उपकप्तानी की जिम्मेदारी है जबकि ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं।

## 3 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से 3 माह के लिए निलंबित

**महासमुंद, 12 नवम्बर 2025।** आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पंजीकृत निजी अस्पताल महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली द्वारा योजना के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से 03 माह के लिये निलंबित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव ने बताया कि महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द,सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत ईलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत पंजीकृत चिकित्सालयों में पात्रता अनुसार मरीज को चिकित्सकीय सुविधा निर्धारित पैकेज के तहत् नियमानुसार निःशुल्क प्रदान किया जाता है। योजना से पंजीकृत अस्पताल मरीजों का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार ईलाज नहीं करता या आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क ईलाज करने से मना करता है, तो इसकी शिकायत तत्काल टोल फ्री नंबर 104 पर अथवा लिखित शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में करें। साथ ही योजना संबंधी विस्तृत जानकारी टोल फ्री नंबर से प्राप्त कर सकते है।

## छात्रावास में छात्र मिलकर बना रहे थे खाना,हो गया बड़ा हादसा

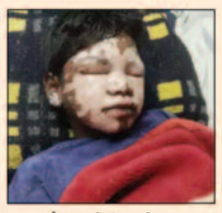

**बस्तर, 12 नवम्बर 2025।** जिले के बकावंड में स्थित एक आदिवासी बालक आश्रम में छात्र का चेहरा खौलते तेल से झुलस गया है। बताया जा रहा है कि छात्र आश्रम में खाना बनाने का काम कर रहा था। इसी बीच तेल उसपर गिर गया। इस घटना के बाद विभाग ने अधीक्षक को पद से हटा दिया है। रसोईया से जवाब मांगा है। दरअसल,मामला बकावंड ब्लॉक के ग्राम पंचायत बारदा स्थित बालक छात्रावास का है। यहां पढ़ने वाला छात्र टुमन भद्रे एक दिन पहले अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर खाना बना रहा था। इसी बीच खौलता हुआ तेल उसके ऊपर गिर गया। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। जब यह हादसा हुआ उस समय अधीक्षक और रसोइया दोनों नदारद थे। जिसके बाद बच्चों ने किसी तरह इसकी जानकारी अधीक्षक को दी। वहीं बच्चे को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों की माने तो बच्चे का चेहरा जल चुका है। त्वचा जली है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इलाज चल रहा है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त जीएस सोरी ने बताया कि तत्काल प्रभाव से छात्रावास अधीक्षक सोनाधर गोयल को हटाया गया। गोयल को हटाकर उन्हें बतौर शिक्षक मूल पद पर वापस भेजने की कार्रवाई की गई। रसोइया को भी नोटिस जारी कर उससे कारण बताने कहा गया है।

## आरी डोंगरी गोदावरी माइंस के विस्तार को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा भानुप्रतापपुर में किया चक्काजाम

**भानुप्रतापपुर, 12 नवम्बर 2025।** आरी डोंगरी गोदावरी माइंस के प्रस्तावित क्षमता विस्तार के खिलाफ क्षेत्र के ग्रामीणों,सरपंचों और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने भानुप्रतापपुर-कच्चे मार्ग पर चक्काजाम कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि जनसुनवाई को स्थगित किया जाए और 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी प्रभावित गांवों की सूची सार्वजनिक की जाए। इसके साथ ही पिछले 15 वर्षों में सीएसआर और डीएमएफ मद से हुए कार्यों का पूरा ब्यौरा भी जारी किया जाए। चक्काजाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात घंटों बाधित रहा। पुलिस और ग्रामीणों के बीच हल्की झूमाझटकी की स्थिति भी बनी, हालांकि स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी, जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता, हरेश चक्रधारी, चंद्रमौली मिश्रा और सरपंच रमल कोर्राम ने किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि गोदावरी माइंस प्रबंधन वर्षों से आदिवासी समुदाय का शोषण कर रहा है और विकास तथा रोजगार के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा सीएसआर और डीएमएफ फंड का सही उपयोग नहीं हो रहा है। खदान प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पानी, बिजली और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएं अब भी नदारद हैं।

# महाराष्ट्र-पासिंग कार के सीक्रेट चैंबर से मिले 3 करोड़

## रायपुर से नागपुर ले जा रहे थे,चेकिंग में पकड़ाए,नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी

**बालोद, 12 नवम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने महाराष्ट्र पासिंग क्रेटा कार (एमएच 04 एमए8035) से 3 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। यह रकम कार में बनाए गए सीक्रेट चैंबर में छिपाकर रखी गई थी। कार में सवार दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला बालोद थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच गुंडरदेही इलाके में पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर कार सवार भागने लगे। बालोद पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की और बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग स्थित पड़कीभाठ बायपास के पास कार को रोक लिया। कार की तलाशी के दौरान सीट के नीचे एक सीक्रेट चैंबर मिला। चैंबर में ताला लगा हुआ था, जिसे खोलने पर पुलिस को 500 और 100 रुपए के नोटों के बंडल में कुल 3 करोड़ रुपए नकद मिले। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। कैश गिनने के लिए बालोद पुलिस ने एसबीआई बैंक से नोट गिनने की मशीन मंगवाई थी।

**रायपुर से नागपुर ले जाया जा रहा था कैश :** पुलिस के अनुसार, कार रायपुर से महादेव घाट मार्ग होते हुए, दुर्ग-रनचिराई मार्ग से अंदरूनी रास्तों का उपयोग करते हुए नागपुर की ओर जा रही थी। पैसे के उपयोग या स्रोत को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है। एसडीओपी राठौर ने बताया कि, फिलहाल जांच जारी है। आगे की कार्रवाई के लिए मामला आयकर विभाग को सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है।

## सूचना आयुक्तों की नियुक्ति पर लगी रोक हटाई हाई कोर्ट ने,25 साल के अनुभव की शर्त को बताया जायज

**रायपुर, 12 नवम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के पदों की चयन प्रक्रिया पर लगी रोक को हाई कोर्ट ने हटा दिया है। न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास की एकलपीठ ने अपने फैसले में कहा है कि सर्च कमेटी द्वारा तय 25 वर्ष का अनुभव और 65 वर्ष से कम आयु की पात्रता शर्त वैध और तार्किक है।

**सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आया फैसला :** यह फैसला सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए देशभर में केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों में खाली पड़े आयुक्तों के पदों पर नियुक्ति को लेकर अलग-अलग राज्यों को निर्देश दिए थे।सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट को 4 हफ्तों के भीतर अंतिम निपटारा करने के आदेश दिए थे। इसके बाद हाई कोर्ट में 11 नवंबर को सुनवाई हुई जिसके बाद सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की राह खोल दी गई। नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग वाली 5 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई के बाद यह फैसला आया। इनमें याचिकाकर्ता अनिल तिवारी, राजेन्द्र कुमार पाध्ये और डॉ. दिनेश्वर प्रसाद सोनी सहित अन्य आवेदक थे। छत्तीसगढ़ में सूचना आयुक्तों के पदों के लिए आवेदनकर्ताओं ने पात्रता शर्तों को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं ने सर्च कमेटी के नियुक्ति प्रक्रिया के बीच में 25 साल अनुभव और 65 वर्ष आयु सीमा तय किए जाने की गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि चयन प्रक्रिया के बीच में नियम बदले गए। इस पर न्यायालय ने कहा कि सर्च कमेटी द्वारा 25 वर्ष अनुभव की पात्रता तय करना संवेदनशील पदों की प्रकृति के अनुसार उचित और तार्किक है। यह चयन प्रक्रिया के बीच 'रूल ऑफ गेम्स' बदलना नहीं, बल्कि आवेदनों की छंटनी के लिए अपनाया गया व्यावहारिक तरीका है।

### भर्ती प्रक्रिया के बीच में मानदंड बदले जाने का आरोप

यह मामला उस समय सामने आया जब राज्य सरकार ने सूचना आयुक्तों के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पात्रता मानदंड बीच में बदले गए। हालांकि, राज्य का कहना था कि यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सर्च कमेटी द्वारा लिया गया है।

## आवारा मवेशियों पर सरकार ढीली हाईकोर्ट का सख्त रुख,कहा...सिर्फ मीटिंग नहीं,नतीजे चाहिए...

**बिलासपुर, 12 नवम्बर 2025।** सड़कों पर दिन-ब-दिन बढ़ते आवारा मवेशियों के खतरे पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार सिर्फ योजनाएं बना रही है, लेकिन उनका धरातल पर कोई असर नहीं दिख रहा। फाइलों में योजनाएं हैं, पर सड़कों पर मवेशी घूम रहे हैं। ये सड़कें जनता की हैं या पशुओं की? अदालत ने तल्ख़ लहजे में सवाल किया। 11 नवंबर को हुई सुनवाई में राज्य के मुख्य सचिव ने अदालत में अपना व्यक्तिगत शपथपत्र पेश किया, जिसमें बताया गया कि 24 और 25 अक्टूबर को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने के कई फैसले लिए गए। लेकिन अदालत ने कहा कि केवल बैठकें करने से कुछ नहीं होगा, जब तक नतीजे ज़मीन पर न दिखें। मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की

खंडपीठ ने सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि रोज़ाना हो रहे हादसे इस बात का प्रमाण हैं कि निगरानी तंत्र पूरी तरह विफल है।

## तीन अमानक दवाएं तीन वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट

### नए टेंडर में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित

**रायपुर, 12 नवम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने दवाओं की गुणवत्ता में कमी पर सख्त रुख अपनाते हुए तीन दवाओं को अमानक पाए जाने के बाद आगामी तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। यह कार्रवाई कॉरपोरेशन की 'शून्य सहनशीलता नीति ' के तहत की गई है। कॉरपोरेशन के अनुसार, संबंधित आपूर्तिकर्ता अब ब्लैकलिस्टिंग अवधि समाप्त होने तक किसी भी नई निविदा में भाग लेने के लिए अयोग्य रहेंगे।

### ये दवाएं पाई गईं अमानक

मेसर्स एजी पैरेंटेरल्स, विलेज गुग्गरवाला, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आपूर्ति की गई–कैल्शियम (एलिमेंटल) विद विटामिन डी3 टैबलेट्स,ऑर्निडाजोल टैबलेट्स इसी तरह,मेसर्स डिवाइन लेबोरेट्रीज प्रा. लि., वडोदरा (गुजरात) द्वारा आपूर्ति की गई हेपारिन सोडियम 1000 IU/ml इंजेक्शन IP भी NABL मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं एवं सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेट्री, कोलकाता में परीक्षण के दौरान अमानक पाए गए। इन तीनों उत्पादों को निविदा शर्तों के अनुरूप तत्काल प्रभाव से तीन वर्षों की अवधि तक ब्लैकलिस्ट किया गया है। कॉरपोरेशन द्वारा सभी कार्रवाई CDSCO, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 के प्रावधानों के अनुसार की जाती है ताकि केवल गुणवत्तायुक्त दवाएं ही मरीजों तक पहुँचें। गौरतलब है कि CGMSC के जरिये स्वास्थ्य विभाग को दी जाने वाली दवाओं में सबसे ज्यादा महासमुंद की 9 AM कंपनी की दवाएं घटिया पाई गई हैं।

## राज्य की नदियों के सूखते उद्गम स्थलों की होगी खोज, विशेष कमेटी का होगा गठन

**बिलासपुर, 12 नवम्बर 2025।** हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा, जो नदियों के उद्गम स्थलों की खोज और उनके संरक्षण-संवर्धन पर कार्य करेगी। यह कमेटी 10 प्रमुख नदियों अरपा, महानदी, हसदेव, तांदुला, पैरी, केलो, मांड, लीलागर, सोनभद्र और तिपान के पुनर्जीवन पर काम करेगी।

### कोर्ट ने दिया यह निर्देश

न्यायालय ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान ने कहा कि वर्तमान में राज्य की अधिकांश नदियां और उनके उद्गम स्थल राजस्व रिकार्ड में नाले के रूप में दर्ज हैं, जो गलत है। न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिए कि इन स्थलों को राजस्व रिकार्ड में नदी और उसके उद्गम स्थल के रूप में दर्ज किया जाए।

### नई कमेटी में ये रहेंगे सदस्य

राज्य सरकार ने बताया कि नई कमेटी में केवल अधिकारी ही नहीं, बल्कि इतिहासकार, लेखक, तकनीकी विशेषज्ञ और पर्यावरणविद भी सदस्य होंगे। यह टीम न केवल उद्गम स्थलों की खोज करेगी, बल्कि उनका पुनर्जीवन और जल प्रवाह बनाए रखने की दिशा में कार्ययोजना तैयार करेगी। जिन जिलों से नदियों का उद्गम होता है, वहां के कलेक्टर इस कमेटी के अध्यक्ष होंगे। इनके साथ खनिज, वन और जिला पंचायत विभाग के अधिकारी सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। याचिकाकर्ता अरविंद शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ से कुल 19 छोटी-बड़ी नदियां निकलती हैं। इनमें धमतरी से महानदी, मनेन्द्रगढ़ से हसदेव, राजनांदगांव से शिवनाथ, जशपुर से ईब, मैनपाट से मांड, रायगढ़ से केलो, कोरबा से बोराई, बिलासपुर से कन्हार और सरगुजा से रिहंद जैसी नदियां शामिल हैं। इधर, अरपा नदी में गिरने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए बिलासपुर नगर निगम ने कोर्ट में शपथ-पत्र पेश किया। नगर निगम ने बताया कि 103 करोड़ रुपये की लागत से चार एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाए जा रहे हैं, जिनमें दो मंगला में, एक कोनी में और एक जवाली नाले पर तैयार हो रहे हैं। दिसंबर तक इन्हें पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त निगम ने तीन नए एसटीपी बनाने का भी निर्णय लिया है। चिंगराजपारा (40 एमएलडी), तिलकनगर (4 एमएलडी) और शनिचरी (8 एमएलडी) में ये एसटीपी बनाए जा रहे हैं।

# निजीकरण की कगार पर प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल...जवाबदार देगें स्पष्टीकरण?

**रायपुर, 12 नवम्बर 2025।** एशिया का सबसे बड़ा इस्पात संयंत्र और छत्तीसगढ़ का गौरव,बताया जाता है कि आज वह खुद अपनी पहचान खोने की कगार पर खड़ा है। भिलाई स्टील प्लांट जिसने बीते 70 वर्षों से देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा और खेल जगत में अनगिनत सितारे पैदा किए, अब उसी शहर का अभिन्न हिस्सा पंडित जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (सेक्टर-9 हॉस्पिटल) निजीकरण की डगर पर खड़ा नजर आ रहा है।

**गुप्त दौरों और बैठकों से बढ़ता संदेह :** सूत्रों के मुताबिक,हाल ही में केंद्रीय मंत्रालय की एक टीम ने सेक्टर-9 हॉस्पिटल का दौरा किया। यह दौरा पूरी तरह 'गोपनीय' रखा गया। लेकिन,भिलाई के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संगठनों, श्रमिक यूनियनों और अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों के विरोध के बाद यह बात सामने आई कि अस्पताल प्रबंधन कुछ तो छुपाने की कोशिश कर रहे है।

**क्या होगा अस्पताल का निजीकरण :** भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों और भिलाईवासियों के लिए अब यह बड़ा सवाल है कि, 'क्या 70 साल तक जनता की सेवा करने वाला यह हॉस्पिटल अब किसी उद्योगपति के हवाले कर दिया जाएगा?' लोगों में चर्चा है कि SAIL प्रबंधन और केंद्र सरकार के बीच अंदरखाने में समझौते की तैयारियां चल रही हैं। यह वही अस्पताल है जिसने हजारों लोगों को जीवनदान दिया, जहां मुफ्त या सस्ती चिकित्सा सेवाएं पर्दान की जा रही हैं और जो आज 'बर्न यूनिट' और 'विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं' के लिए पूरे प्रदेश में मशहूर है।

**सेवानिवृत्त कर्मचारी भयभीत, भिलाईवासियों में रोष :** भिलाई के सेवानिवृत्त कर्मचारी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस संयंत्र को खड़ा करने में लगा दिया, आज अपनी चिकित्सा सुविधाओं को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सभी सेवानिवृत्त और छोटे कर्मचारियों के दिलों में इस भय ने डेरा जाल लिया है कि यदि अस्पताल निजीकरण हो गया तो इलाज महंगा हो जाएगा और वे चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रह जाएंगे। बातचीत में एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने नम आंखें लिए कहा 'हमने अपना जवानी इस प्लांट के लिए समर्पित कर दिया, अब बुढ़ापे में हमसे इलाज भी छीन लिया जाएगा क्या? '

### जन प्रतिनिधियों पर भी दागे सवाल

**सेवानिवृत्त कर्मचारी ने कहा 'जनप्रतिनिधियों से जवाब की उम्मीद है, सबसे बड़ा सवाल यही है कि भिलाई के जनप्रतिनिधि आखिर खामोश क्यों हैं? चाहे वे सत्ता पक्ष से हों या विपक्ष से, किसी ने भी इस गंभीर मुद्दे पर खुलकर जनता को जानकारी नहीं दी है। क्या जनसेवा के नाम पर चुने गए प्रतिनिधियों का यह मौन किसी साजिश का संकेत है ।**

## बिलासपुर ट्रेन हादसे में 14वीं मौत,डीपी विप्र कॉलेज में पढ़ने वाली बीएससी की छात्रा ने तोड़ा दम

**बिलासपुर, 12 नवम्बर 2025।** पिछले दिनों बिलासपुर में हुए भीषण रेल हादसे के जख्म बढ़ते जा रहे हैं। हादसे में घायल 19 वर्षीय युवती की अब इलाज के दौरान मौत हो गई है। हादसे के बाद गंभीर हालत में युवती को पहले सिम्स फिर अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जानकारी के मुताबिक जांजगीर नैला निवासी 19 वर्षीय मेहविश परवीन खान, जो बिलासपुर डीपी विप्र कॉलेज में बीएससी की छात्रा थी। बीते 4 नवम्बर को कोरबा - बिलासपुर मेमू ट्रेन से बिलासपुर आ रही थी।

मेहविश उसी दुर्घटनाग्रस्त महिला कोच में सवार थी। हादसे में मेहविश लोहे के भारी एंगल में दब गई थी, जिससे उसके पैर, कॉलर बोन और पसली में मल्टीपल फ्रैक्चर आए थे। घटना के बाद रेस्क्यू कर उसे तत्काल सिम्स लाया गया था, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अपोलो रिफर कर दिया गया। यहां गंभीर हालत में उसका उपचार जारी था। लेकिन हालत में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ और अंततः मेहविश की मौत हो गई। इसके साथ ही ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या 14 हो गई है। अभी भी ट्रेन हादसे के कई घायलों का शहर के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है।

**बीते दिन भी हुई थी एक मौत :** बिलासपुर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे से जुड़ी एक और दुखद खबर बीते दिन आयी थी। इस रेल हादसे में एक और घायल यात्री ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई थी। इस खबर ने उन सभी परिवारों के घावों को और गहरा कर दिया, जो अभी भी अपने प्रियजनों के ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठे थे।

यह हादसा अब बिलासपुर और आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक काला अध्याय बन चुका है। लगातार बढ़ रहा मौत का यह आंकड़ा बता रहा है कि यह दुर्घटना कितनी भीषण और हृदय विदारक थी। घटना के तुरंत बाद दर्जनों यात्रियों को गंभीर हालत में आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। कई यात्रियों को गंभीर चोटें आई थीं, और डॉक्टर्स की टीम लगातार उनकी जान बचाने की कोशिश कर रही थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)